



दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷிண் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | வென்னை और बंगलूर से एक साथ प्रकाशित



5 जो बोली से नहीं माना वो गोली से जरूर मान गया : योगी आदित्यनाथ

6 क्या नए राजनीतिक युग की शुरुआत करेंगे अन्नामलाई?

7 वर्क प्लेस पर कामकाजी मांओं के लिए क्यों नहीं हैं बच्चों के कमरे : कंगना रनौत

फ़र्स्ट टेक

सिद्धरामय्या कांग्रेस कार्य समिति के सदस्य नियुक्त नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने वाले अपने वरिष्ठ नेता सिद्धरामय्या को मंगलवार को पार्टी कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) का सदस्य नियुक्त किया। पार्टी के संगठन महासचिव के सी वेणुगोपाल की ओर से जारी विज्ञापन के अनुसार, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सिद्धरामय्या की नियुक्ति तत्काल प्रभाव से की। कांग्रेस आलाकमान के कहने के बाद सिद्धरामय्या ने बीते 28 मई को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दिया था। कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डी के शिवकुमार बुधवार को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे।

खलील उर रहमान संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र के अध्यक्ष चुने गए

संयुक्त राष्ट्र/भाषा। बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलील उर रहमान मंगलवार को कड़े चुनावी मुकाबले में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के 81वें सत्र के अध्यक्ष चुने गए। रहमान और साइप्रस के बहुलक्षवाद मामलों के विशेष दूत ड्रिडस काकोरिस 193 सदस्यीय महासभा के 81वें सत्र के अध्यक्ष पद की दौड़ में शामिल थे। यूएनजीए के 81वें सत्र की शुरुआत सितंबर में होगी। करीबी चुनावी मुकाबले में बांग्लादेशी राजनयिक रहमान को 99 मत मिले, जबकि काकोरिस को 91 मत प्राप्त हुए। मतदान में 190 सदस्य देशों ने हिस्सा लिया। चुनाव में जीत हासिल करने के लिए कम से कम 96 मतों की आवश्यकता थी। रहमान वर्तमान महासभा अध्यक्ष और जर्मनी की पूर्व विदेश मंत्री एरानोला बेयरबॉक का स्थान लेंगे।

भारतीय सेना ने किशनगंगा नदी में फंसे नागरिकों को बचाया

जुगभारतीय सेना ने जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा के गुरेज क्षेत्र में तेज बहाव के कारण किशनगंगा नदी फंसे नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, उत्तर कश्मीर की गुरेज घाटी के चकवाली क्षेत्र में सोमवार रात तेज बहाव के कारण वाहन फंस जाने से कई नागरिक अपने वाहनों में ही फंस गए थे। किशनगंगा नदी भारतीय हिस्से में पड़ने वाले कश्मीर से होकर पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में बहती है, जहां इसे नीराम घाटी के नाम से जाना जाता है। कश्मीर नदी में जारी भीषण गर्मी के बीच, नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास स्थित गुरेज घाटी में पर्यटकों की संख्या में काफी इजाफा हुआ है। सेलानी तपती गर्मी से राहत पाने के लिए बड़ी संख्या में यहां पहुंच रहे हैं।



शिवकुमार आज लेंगे कर्नाटक के मुख्यमंत्री पद की शपथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

- शिवकुमार के साथ 10 से 12 विधायक मंत्री पद की शपथ ले सकते हैं
- मंत्रिमंडल विस्तार इस महीने होने वाले राज्यसभा एवं विधान परिषद चुनाव के बाद होने की संभावना है।

नई दिल्ली/बंगलूर/भाषा। कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डीके शिवकुमार बुधवार को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। इससे पहले मंगलवार को उन्होंने राष्ट्रीय राजधानी में पार्टी आलाकमान के साथ मंत्रिमंडल की रूपरेखा पर चर्चा की।

सूत्रों का कहना है कि शिवकुमार के साथ 10 से 12 विधायक मंत्री पद की शपथ ले सकते हैं और मंत्रिमंडल विस्तार इस महीने होने वाले राज्यसभा

एवं विधान परिषद चुनाव के बाद होने की संभावना है। इस बीच, पार्टी ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने वाले अपने वरिष्ठ नेता सिद्धरामय्या को मंगलवार को कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) का सदस्य नियुक्त कर दिया। शिवकुमार और सिद्धरामय्या ने राज्य के अगले मंत्रिमंडल को

अंतिम रूप देने के लिए मंगलवार को पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे तथा पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के साथ विस्तृत चर्चा की। इसके बाद दोनों नेताओं ने कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल और पार्टी के कर्नाटक प्रभारी रणदीप सुरजेवाला के साथ अलग से मंत्रणा की।

चार जून के आसपास मानसून की दस्तक संभव : आईएमडी

नई दिल्ली/भाषा। केरल में दक्षिण-पश्चिम मानसून चार जून के आसपास दस्तक दे सकता है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मंगलवार को यह पूर्वानुमान जताया। केरल में मानसून आम तौर पर एक जून के आसपास पहुंच जाता है, जिसे दक्षिण-पश्चिम मानसून के मौसम (जून-सितंबर) की शुरुआत का प्रतीक माना जाता है। आईएमडी ने अपने दैनिक पूर्वानुमान में कहा, "दक्षिण-पश्चिम एवं दक्षिण-पूर्व अरब सागर के कुछ और हिस्सों, लक्षद्वीप तथा केरल और तमिलनाडु के कुछ भागों में चार जून के आसपास दक्षिण-पश्चिम मानसून के और आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल हैं।" पूर्वानुमान के मुताबिक, मानसून दक्षिण-पश्चिम, पश्चिम-मध्य, पूर्व-मध्य और उत्तर-पूर्वी बंगाल की खाड़ी के कुछ और हिस्सों तथा दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी के बाकी भागों में भी इसी तारीख के आसपास आगे बढ़ेगा। आईएमडी ने पहले अनुमान जताया था कि केरल में मानसून की दस्तक 26 मई के आसपास होगी। हालांकि, ऐसा नहीं हुआ। बाद में विभाग ने 29 मई को कहा कि मानसून अगले हफ्ते पहुंच सकता है।

सूरत के पास महाराष्ट्र की दो सरकारी बसों की टक्कर में 7 लोगों की मौत

सूरत/भाषा। गुजरात के सूरत जिले के बारडोली करघे के पास मंगलवार को महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम (एमएसआरटीसी) की दो बसों की टक्कर में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई और करीब 40 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि बारडोली तालुका के उवा गांव के पास राष्ट्रीय राजमार्ग 53 पर हुई दुर्घटना के बाद एक बस पलट गई और उसमें आम लग गई। यह मार्ग महाराष्ट्र को गुजरात से जोड़ता है। सूरत जिले के पुलिस अधीक्षक राजेश गडिया ने बताया कि एक बस सूरत से धुले जा रही थी, जबकि दूसरी बस महाराष्ट्र के चालीसगांव से सूरत आ रही थी।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा भारत-नेपाल सीमा विवाद के समाधान में किसी तीसरे पक्ष की कोई भूमिका नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने मंगलवार को नेपाल के साथ सीमा विवाद के समाधान में किसी भी तीसरे पक्ष की भूमिका को सिर से खारिज कर दिया।

भारत की यह प्रतिक्रिया ऐसे समय आई है, जब कुछ दिन पहले नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह ने विवाद के समाधान के लिए चीन और ब्रिटेन की भागीदारी की वकालत की थी।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि दोनों पक्षों ने सीमा मुद्दे के सभी पहलुओं से निपटने के लिए द्विपक्षीय तंत्र स्थापित किए हैं और भारत-नेपाल सीमा का लगभग 98 प्रतिशत हिस्सा चिह्नित किया जा चुका है।

बालेंद्र शाह ने रविवार को नेपाल की संसद में कहा कि सीमा विवाद पर भारत के साथ चर्चा के अलावा, नेपाल चीन और ब्रिटेन के साथ भी संपर्क में है। उन्होंने कहा,



"चूंकि यह विवाद ब्रिटिश भारत के दौर से जुड़ा है, इसलिए हमारा मानना है कि इस मामले में इंग्लैंड को भी शामिल किया जाना चाहिए।" नेपाल और भारत के बीच लिपुलेख, लिम्पियाधुरा और कालापानी को लेकर पुराना सीमा विवाद है। भारत लगातार यह दावा करता रहा है कि ये क्षेत्र उत्तराखंड का हिस्सा हैं। जायसवाल ने साप्ताहिक प्रेस वार्ता में कहा, "सीमा से जुड़े सभी मुद्दों के समाधान के लिए भारत और नेपाल के बीच द्विपक्षीय तंत्र मौजूद है। सभी संबंधित पक्षों को यह स्पष्ट होना चाहिए कि भारत और नेपाल के बीच के द्विपक्षीय मामले में किसी तीसरे पक्ष की कोई भूमिका नहीं है।"

बालेंद्र शाह की टिप्पणियों के बारे में पूछे जाने पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने यह टिप्पणी की। जायसवाल ने कहा, "हमने भारत-नेपाल सीमा के संबंध में नेपाल के प्रधानमंत्री की टिप्पणियों के साथ-साथ इस मामले पर नेपाली विदेश मंत्रालय द्वारा जारी बयान भी देखा है।" उन्होंने कहा, "भारत-नेपाल सीमा का लगभग 98 प्रतिशत हिस्सा निर्धारित हो चुका है, लेकिन कुछ हिस्से अभी भी अनुसूचित हैं। गंडक नदी के मार्ग में बदलाव के कारण यह स्थिति उत्पन्न होती है।" जायसवाल ने कहा, "इसके अलावा, सीमा के चिह्नित क्षेत्रों में 'नो-मैनस लैंड' पर अतिक्रमण और सीमा पर कब्जे के कुछ मामले सामने आए हैं। इनका दोनो देशों द्वारा संयुक्त रूप से मानचित्रण किया जा रहा है।" बालेंद्र शाह ने यह भी स्वीकार किया था कि नेपाल ने भारतीय क्षेत्रों पर "अतिक्रमण" किया है।



हवा से सतह पर मार करने वाली रुद्र एम-दो मिसाइल का भारत ने सफल परीक्षण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और भारतीय वायु सेना ने हवा से सतह पर मार करने वाली मिसाइल रुद्र एम-दो का हवाई प्लेसफार्म से सफल उड़ान परीक्षण किया है। रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

मंत्रालय ने कहा कि प्रक्षेपण के बाद मिसाइल को पूर्वनिर्धारित लक्ष्य की ओर निर्देशित किया गया और उन्होंने अत्यंत सटीकता के साथ लक्ष्य को भेदा। परीक्षण के सभी उद्देश्यों को पूरी तरह सफलतापूर्वक हासिल कर लिया गया।

मंत्रालय ने कहा कि अत्यंत चुनौतीपूर्ण परिचालन परिस्थितियों और महत्वपूर्ण प्रक्षेपण पथ पर किए गए इन परीक्षणों ने मिसाइल की सटीकता, विश्वसनीयता तथा वाली मिसाइल रुद्र एम-दो का हवाई प्लेसफार्म से सफल उड़ान परीक्षण किया है। रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय ने कहा कि प्रक्षेपण के बाद मिसाइल को पूर्वनिर्धारित लक्ष्य की ओर निर्देशित किया गया और उन्होंने अत्यंत सटीकता के साथ लक्ष्य को भेदा। परीक्षण के सभी उद्देश्यों को पूरी तरह सफलतापूर्वक हासिल कर लिया गया।

तालिबान शासन में अफगान महिला शिक्षाविदों का भविष्य अंधकारमय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

लंदन/द कन्वर्सेशन। कल्पना कीजिए कि आपने अपना करियर बनाने में दशकों लगा दिए हैं। आपके पास मास्टर डिग्री है। आपने लाखों विद्यार्थियों को पढ़ाया है। आप हर सुबह उदयेश और उत्साह के साथ अपने कार्यस्थल पहुंचती हैं। फिर रातोंरात आपके लिए संस्थान के दरवाजे बंद कर दिए जाते हैं। आपको बता दिया जाता है कि अब आप वापस नहीं आ सकतीं।

ऐसा किसी गलती की वजह से नहीं हुआ, बल्कि इसलिए हुआ क्योंकि आप एक महिला हैं। अगस्त 2021 में तालिबान के सत्ता में लौटने के बाद पूरे अफगानिस्तान में महिला शिक्षाविदों के साथ यही हुआ। हमने टेलीग्राम और व्हाट्सएप के माध्यम से 12 अफगान महिला शिक्षाविदों से बातचीत की। इनमें से आठ उस

जब तालिबान ने 1996 से 2001 के बीच पहली बार अफगानिस्तान पर शासन किया था, तब महिलाओं को शिक्षा और कई प्रकार के रोजगार से वंचित कर दिया गया था।



समय अफगानिस्तान में थीं, जबकि चार हाल ही में देश छोड़ चुकी थीं। जो महिलाएं अफगानिस्तान में थीं, उनमें से केवल एक ही बाद में देश छोड़ने में सफल हुईं। बाकी सभी अब भी वहीं हैं। उन्होंने जो कुछ हमें बताया, वह बेहद पीड़ादायक था। जब तालिबान ने 1996 से 2001 के बीच पहली बार अफगानिस्तान पर शासन किया था, तब महिलाओं को शिक्षा और कई प्रकार के रोजगार से वंचित कर दिया गया था। अमेरिका के नेतृत्व वाले हस्तक्षेप के बाद स्थिति धीरे-धीरे सुधरी। अफगानिस्तान में उच्च शिक्षा में महिलाओं की भागीदारी में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। वर्ष 2001 में जहां केवल 5,000 छात्राएं थीं, वहीं 2021 तक उनकी संख्या बढ़कर एक लाख से अधिक हो गई। विश्वविद्यालयों में विद्यार्थियों में महिलाओं की हिस्सेदारी 28 प्रतिशत और शिक्षकों में 14 प्रतिशत तक पहुंच गई थी। यह प्रगति वास्तविक थी, भले ही वह नाजुक थी। लेकिन बाद में यह लगभग पूरी तरह पलट गई। दिसंबर 2022 तक सभी विश्वविद्यालयों ने महिलाओं के लिए अपने दरवाजे बंद कर दिए। लड़कियों की शिक्षा 12 वर्ष की आयु के बाद प्रतिबंधित कर दी गई। महिलाओं को अधिकांश नौकरियों से बाहर कर दिया गया, यात्रा के लिए पुरुष अभिभावक की अनिवार्यता लागू कर दी गई और सार्वजनिक स्थानों पर काला हिजाब पहनना अनिवार्य बना दिया गया।

ट्रंप के साथ तीखी बातचीत के बाद बाद, नेतन्याहू ने लेबनान पर हमले की योजना ताली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

वॉशिंगटन/भाषा। अमेरिका के राष्ट्रपति जोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उन्होंने इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को लेबनान के खिलाफ हमले को रोकने के लिए राजी कर लिया है, जिसके बाद उन्होंने अपने सैनिकों को वापस बुला लिया।

ट्रंप ने सोमवार शाम को 'दुश् सोशल' पर यह घोषणा की। ट्रंप का यह बयान ऐसे समय में आया है जब दोनों नेताओं के बीच 'तीखी' बातचीत की खबरें सामने आ रही थीं। खबरों के अनुसार ट्रंप ने नेतन्याहू से यह भी कहा कि अगर उन्होंने हस्तक्षेप नहीं किया होता तो इजराइल के प्रधानमंत्री आज जेल में होते। उन्होंने इजराइल के प्रधानमंत्री को उनके लोकप्रिय उपनाम से संबोधित करते हुए कहा, "आज (सोमवार) मेरी बीबी नेतन्याहू से बातचीत हुई। मैंने उनसे लेबनान के बेरूत में कोई बड़ा हमला

न करने का अनुरोध किया। उन्होंने अपनी सेना को वापस बुला लिया। धन्यवाद बीबी।" इजराइल पर इजराइल के हमलों को लेकर अमेरिका के साथ जारी बातचीत को खत्म करने की धमकी के बाद ट्रंप और नेतन्याहू के बीच फोन पर बातचीत हुई। नेतन्याहू ने कहा था कि अगर हिजबुल्ला इजराइल पर हमले बंद नहीं करता है तो इजराइल बेरूत में "आतंकी टिकानों" पर हमला करेगा।

ट्रंप ने कहा कि उनकी हिजबुल्ला के नेताओं के प्रतिनिधियों से भी बातचीत हुई, जो "इजराइल और उसके सैनिकों पर गोलीबारी बंद करने" पर सहमत हुए। उन्होंने कहा, "मेरी हिजबुल्ला के नेताओं के प्रतिनिधियों से भी बातचीत हुई और वे इजराइल तथा उसके सैनिकों पर गोलीबारी बंद करने पर सहमत हुए। इसी तरह, इजराइल भी उन पर गोलीबारी बंद करने पर सहमत हो गया। देखते हैं यह कब तक चलता है - उम्मीद है कि यह हमेशा के लिए चलेगा।"

एलयूसीसी घोटाला : सीबीआई ने दो मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने उत्तराखंड में 800 करोड़ रुपये के एलयूसीसी चिटफंड घोटाले के दो कथित मुख्य साजिशकर्ताओं को मुंबई से गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। आरोप है कि 'लोनी अर्बन मल्टी स्टेट क्रेडिट एंड थ्रिफ्ट को-ऑपरेटिव सोसाइटी' (एलयूसीसी) के एक लाख से अधिक निवेशकों को आकर्षक मुनाफे का वादा कर उनसे करीब 800 करोड़ रुपये की ठगी की गई।

अधिकारियों ने बताया कि इस घोटाले में उत्तराखंड पुलिस द्वारा 18 प्राथमिकी दर्ज किए जाने के बाद कथित मुख्य साजिशकर्ता किशन जैन और पंकज जैन फरार हो गए थे। उन्होंने बताया कि उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने पिछले साल नवंबर में ये मामले सीबीआई को सौंप दिए थे। सीबीआई के प्रवक्ता के बयान के अनुसार, एजेंसी ने पता लगाया कि दोनों आरोपी मुंबई में हैं और उसने उन्हें सोमवार को गिरफ्तार कर ड़ लिया।

03-06-2026 04-06-2026
सूर्यास्त 6:32 बजे सूर्योदय 5:41 बजे

BSE 74,649.84 (+382.50)
NSE 23,483.55 (+100.95)

सोना 16,231 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम
चांदी 276,000 रु. प्रति किलो

मिशान मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी पत्रिका
epaper.dakshinbharat.com



क्लेम बंडर
पुख्ता सबूत के बिना सदा, होंते मसले सब सारहीना। ज्यों कोई खड़ा तबेले में, हो मगन बजाए मधुर बीन। मिडिया आरोपों को परखे, पहले ढूँढे सच्ची जमीन। वर्ना प्रचार के तंत्र में, हो जायेंगे सारे मलीन।।

'लाडकी बहिन' योजना बंद नहीं होगी, 1.70 करोड़ पात्र महिलाओं को मिलता रहेगा लाभ : फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को आश्चर्य किया कि राज्य सरकार अपनी प्रमुख 'मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिन' योजना को बंद नहीं करेगी और हाल में लाखों लाभार्थियों को सूची से हटाए जाने के बावजूद 1.70 करोड़ पात्र महिलाओं को योजना का लाभ मिलता रहेगा।

मुख्यमंत्री की यह टिप्पणी 30 अप्रैल की ई-केवाईसी (उपभोक्ता को जानने) सत्यापन की समयसीमा समाप्त होने के बाद आई है। सत्यापन प्रक्रिया के दौरान योजना से जुड़े करीब 80 लाख लाभार्थियों के नाम सूची से हटा दिए गए थे,

जिसके बाद विपक्षी दलों ने सरकार की तीखी आलोचना की। सामाहिक मंत्रिमंडल बैठक से पहले फडणवीस ने संवाददाताओं से कहा कि योजना शुरू होने के बाद सरकार ने लाभार्थियों का सत्यापन कराया था, जिसमें कई अनियमितताएँ सामने आईं। उन्होंने कहा, "जब योजना शुरू की गई थी, तब महिलाओं को स्वयं अपने पात्र होने का प्रमाण देने की अनुमति दी गई थी, क्योंकि कई महिलाओं के पास दस्तावेज जमा करने के लिए पर्याप्त समय नहीं था। बाद में सत्यापन कराया गया, क्योंकि इस योजना पर होने वाला सरकारी खर्च ऑडिट के दायरे में आता है।"

मुख्यमंत्री ने कहा कि जांच में कई विसंगतियाँ सामने आईं जिनमें सरकारी कर्मचारियों के परिवारों की



उन्होंने कहा कि अपात्र महिलाओं और अनिवार्य ई-केवाईसी प्रक्रिया पूरी नहीं करने वालों को भुगतान रोक दिया गया है।

मुख्यमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि बाद में अपात्र पाई गई महिलाओं से पूर्व में दी गई राशि वापस नहीं ली जाएगी। हालांकि, जिन पुरुषों ने गलत तरीके से योजना का लाभ लिया है, उन्हें यह राशि लौटानी होगी। उन्होंने कहा कि लगभग 1.70 करोड़ महिलाएं सभी पात्रता शर्तें पूरी करती हैं और उन्हें योजना के तहत सहायता मिलती रहेगी।

फडणवीस ने कहा, "यह योजना कभी बंद नहीं होगी। आज भी यह देश के राज्यों में अपनी तरह की सबसे बड़ी कल्याणकारी योजनाओं में से एक

है और आगे भी जारी रहेगी।" एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को कहा कि हालांकि, 30 अप्रैल की ई-केवाईसी समयसीमा के बाद लाभार्थियों की संख्या 2.4 करोड़ से घटकर करीब 1.7 करोड़ रह गई है, लेकिन यह कटौती केवल ई-केवाईसी न करने के कारण नहीं, बल्कि पात्रता मानदंडों का पालन न करने से भी हुई है।

सरकार ने लाभार्थियों को ई-केवाईसी पूरा करने के लिए आठ महीने का समय दिया था।

वहीं, विपक्षी दलों ने आरोप लगाया है कि सरकार ने महिलाओं के साथ "विश्वासघात" किया है और "गंभीर वित्तीय संकट" के कारण बड़ी संख्या में लाभार्थियों को योजना से बाहर किया जा रहा है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मंगलवार को कहा कि उनकी सरकार चरणबद्ध तरीके से राज्य द्वारा संचालित बस सेवा शुरू करेगी और आगामी रक्षाबंधन त्योहार तक महिलाएं इन बसों में यात्रा कर सकेंगी। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा कि राज्य परिवहन सेवा की गरीबों के जीवन में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका होती है लेकिन कांग्रेस के शासनकाल के दौरान बस सेवा को बंद कर दिया गया था।

यादव ने कहा, "अब, हमारी सरकार ने केवल तेजी से बेहतर और आधुनिक सड़कों का निर्माण कर रही है, बल्कि मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा को चरणबद्ध तरीके से शुरू करने की दिशा में आगे बढ़

मध्यप्रदेश सरकार शुरू करेगी सरकारी बस सेवा: मुख्यमंत्री मोहन यादव



रही है।" उन्होंने कहा, "रक्षाबंधन पर हमारी प्यारी बहनें राज्य परिवहन की बसों में यात्रा कर सकेंगी।" यह त्योहार इस साल 28 अगस्त को है।

यादव ने कहा कि लोगों को अब निजी वाहनों में यात्रा करने के लिए मजबूर नहीं होना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश के विशाल विस्तार के कारण, शहरों के बीच दूरियां लंबी हैं और लोग माल ले जाने वाले वाहनों में यात्रा करने के लिए मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की सुगम परिवहन सेवा इन सभी समस्याओं को खल करेगी और राज्य के आंतरिक हिस्सों को जोड़ेगी एवं पड़ोसी राज्यों को भी संपर्क प्रदान करेगी। यादव ने सोमवार को नई सेवा पर चर्चा करने के लिए 'मध्यप्रदेश पैसेंजर ट्रांसपोर्ट एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड' के निदेशक मंडल की बैठक की अध्यक्षता की। इसमें बोर्ड के उपाध्यक्ष एवं परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह और वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

बोर्ड के प्रबंध निदेशक मनीष सिंह ने बैठक में एक प्रस्तुति के दौरान बताया कि मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा के उद्देश्य से राज्य को सात क्षेत्रों—इंदौर, उज्जैन, भोपाल, जबलपुर, सागर, ग्वालियर और सीवा में विभाजित किया जाएगा।

इंदौर क्षेत्र में पीएम ई-बस सेवा और मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा योजना के तहत बसों का संचालन शुरू होगा।

सिद्धरामय्या का सारा ध्यान अब अपने बेटे के लिए एक महत्वपूर्ण पद सुरक्षित करने पर : आर. अशोक



बेंगलूरु कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता और वरिष्ठ भाजपा नेता आर. अशोक ने मंगलवार को सिद्धरामय्या पर आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री का पद छोड़ने और डी.के. शिवकुमार को नेतृत्व सौंपने से पहले उन्होंने राज्य को गंभीर वित्तीय संकट में ला दिया था। सिद्धरामय्या का अब सारा ध्यान अपने बेटे के लिए एक महत्वपूर्ण पद सुरक्षित करने पर केंद्रित है। 'कर्नाटक खंडहर' में सिद्धरामय्या की शर्मनाक विरासत शीर्षक वाले एक कड़े बयान में अशोक ने दावा किया कि सिद्धरामय्या ने कर्नाटक की अर्थव्यवस्था को पूरी तरह से बर्बाद करने के बाद मुख्यमंत्री का पद छोड़ दिया और अपने उत्तराधिकारी के लिए एक आर्थिक रूप से संकटग्रस्त राज्य छोड़ गए। कांग्रेस पार्टी द्वारा नेतृत्व परिवर्तन को सुचारु और व्यवस्थित बनाने के दावे को खारिज करते हुए अशोक ने आरोप लगाया कि सिद्धरामय्या ने मुख्यमंत्री पद पर बने रहने के लिए संघर्ष नहीं किया, क्योंकि वे राज्य की गिगडकी वित्तीय स्थिति से अवगत थे। अशोक ने आरोप लगाया, असली कारण यह है कि सिद्धरामय्या जानते थे कि वित्तीय स्थिति चरमरा रही है। उन्होंने जानबूझकर अपने उत्तराधिकारी के लिए एक दिवालिया राज्य छोड़ दिया।



चौहान ने मानसून प्रगति की समीक्षा, खरीफ फसलों की सुरक्षा पर दिया जोर

नई दिल्ली/भाषा केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने दक्षिण-पश्चिम मानसून की प्रगति की मंगलवार को समीक्षा की। उन्होंने साथ ही अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे समय पर कृषि परामर्श जारी करें तथा अल-नीनो के संभावित प्रभाव से खरीफ फसलों को बचाने के लिए राज्यों के साथ बेहतर समन्वय बनाए रखें। चौहान ने अधिकारियों से मानसून की स्थिति पर लगातार नजर रखने को कहा और बताया कि सरकार सतर्क है। उन्होंने अधिकारियों से कहा, "राज्यों के साथ बेहतर समन्वय सुनिश्चित करें और त्वरित कार्रवाई करें।" उन्होंने किसानों को समय पर सलाह और आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए। बयान में कहा गया कि किसानों के शिंतों की रक्षा एवं खरीफ फसलों पर प्रभाव को कम करने के उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में संबधित सभी विभागों तथा एजेंसियों के अधिकारी उपस्थित थे। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मंगलवार को कहा कि दक्षिण-पश्चिम मानसून के केरल में चार जून के आसपास पहुंचने की संभावना है।

अभिनेत्री रवीना टंडन के माई के घर से 25 लाख रुपए की चोरी के आरोप में महिला गिरफ्तार

मुंबई/भाषा बॉलीवुड अभिनेत्री रवीना टंडन के माई के घर में देखभालकर्ता के रूप में परिवार का विश्वास जीतकर कथित तौर पर 25 लाख रुपए के सोने और हीरे के आभूषण चोरी करने के आरोप में 47 वर्षीय एक महिला को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

एक अधिकारी ने बताया कि जुहू पुलिस ने हाल ही में खार निवासी राशि छाबड़िया को गिरफ्तार किया है। राशि को अभिनेत्री की बुजुर्ग मां रवीना टंडन की देखभाल के लिए रखा गया था। चोरी की यह घटना पिछले वर्ष अक्टूबर में सामने आई, जब परिवार ने पाया कि उनके सोने-हीरे के आभूषणों तथा दो लज्जरी घड़ियां समेत कई कीमती सामान आलमारी से गायब हैं। चोरी हुए सामान की कीमत 25 लाख रुपए है। मामले में दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, राजीव टंडन द्वारा पूछताछ किए जाने पर राशि ने पहले तो अपनी संसिता से इनकार किया, लेकिन बाद में उसने अपराध स्वीकार कर लिया।



पेट्रोल, डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी से महंगाई बढ़ने की आशंका : रिपोर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा पेट्रोल एवं डीजल की कीमतों में वृद्धि से अर्थव्यवस्था पर मुद्रास्फीति-जनित दबाव बढ़ने की आशंका है, जिससे आने वाले महीनों में परिवहन एवं विनिर्माण लागत बढ़ सकती है और आम उपभोग की वस्तुएं महंगी हो सकती हैं। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने मंगलवार को जारी रिपोर्ट में यह अनुमान जताया। रिपोर्ट कहती है कि 15 मई के बाद से पेट्रोल एवं डीजल की

दिल्ली के मुकुंदपुर में एलपीजी विस्फोट में मकान ढहा, एक व्यक्ति की हालत गंभीर, बचाव कार्य जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा उत्तर दिल्ली के मुकुंदपुर इलाके में मंगलवार सुबह एलपीजी विस्फोट के कारण एक मंजिला मकान ढहा गया। इस घटना में मलबे में दबे 11 लोगों को बाहर निकाला गया जिनमें से एक व्यक्ति की हालत गंभीर है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि घटना श्मशान स्थल के निकट मुकुंदपुर-दो के इशू विहार की गली नंबर एक में हुई।

दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के अनुसार, विस्फोट और मकान गिरने की सूचना सुबह नौ बजकर 37 मिनट पर मिली थी। सूचना देने वाले व्यक्ति ने फोन पर



अधिकारियों को बताया कि कई निवासियों के मलबे में फंसे होने की आशंका है। डीएफएस के अधिकारी ने कहा, "हमें सूचना मिली कि विस्फोट हुआ है और इसके कारण एक इमारत ढहा गई है, जिसके मलबे में कुछ लोग फंसे हुए हैं। बचाव दल को तुरंत मौके पर भेजा गया और

राहत एवं बचाव अभियान शुरू कर दिया गया है।"

पुलिस उपायुक्त (बाहरी उत्तर) हरेश्वर स्वामी ने बताया कि पुलिस को सुबह करीब साढ़े नौ बजे विस्फोट और मकान ढहने की सूचना मिली जिसके बाद पास में गश्त कर रहे आपातकालीन

प्रतिक्रिया वाहन (ईआरवी) और स्थानीय पुलिसकर्मी तुरंत मौके पर पहुंचे। स्वामी ने कहा, "11 लोगों को बचा लिया गया है। एक महिला मृतक रह गई है और उसकी हालत गंभीर है। उसे सफरखर्च अस्पताल में भर्ती कराया गया है।"

अधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि विस्फोट एक बड़े सिलेंडर से छोटे सिलेंडर में गैस भरते समय हुआ होगा। मौके पर कुछ सिलेंडर मिले हैं। स्वामी ने कहा, "प्रारंभिक रूप से हमें पता चला है कि उस मकान में बर्तन रंगने का कारखाना संचालित हो रहा था। वहां कई गैस सिलेंडर मिले हैं। बड़े सिलेंडरों से छोटे सिलेंडरों में गैस को भरा जा रहा था और संभवतः यही विस्फोट का कारण प्रतीत होता है।"

नौकरशाही की नहीं, राजनीतिक नेतृत्व की जवाबदेही तय हो, प्रधान को बर्खास्त करें : कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा कांग्रेस ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) के चेयरमैन और सचिव के तबादले के बाद कहा कि ऑन स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) प्रणाली से संबंधित "अनियमितता" के मामले में नौकरशाही नहीं, बल्कि राजनीतिक नेतृत्व की जवाबदेही तय होनी चाहिए। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि न्याय का ताकजा है कि शिक्षा मंत्री धर्मदत्त प्रधान को बर्खास्त किया जाए। केंद्र सरकार ने ओएसएम प्रणाली का टेका देने के लिए सीबीएसई की ओर से अपनाई गई प्रक्रिया से संबंधित मुद्दों की जांच के लिए एक-सदस्यीय समिति का गठन किया है। समिति की अध्यक्षता क्षमता निर्माण आयोग की अध्यक्ष एएस राधा चौहान करेंगी। सीबीएसई के चेयरमैन राहुल सिंह और सचिव हिमांशु गुप्ता का बोर्ड से तबादला भी कर दिया गया। रमेश ने ओएसएम के "सीबीएसई चेयरमैन और सचिव का तबादला कर दिया है। न्याय का ताकजा है मंत्री प्रधान को बर्खास्त किया जाए।"

पंजाब में अध्यक्ष नहीं बदला जाएगा, खरगो और राहुल के नेतृत्व में लड़ेंगे चुनाव : बघेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा कांग्रेस महासचिव और पंजाब मामलों के प्रभारी भूपेश बघेल ने प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पद पर बदलाव की अटकलों को खारिज करते हुए मंगलवार को कहा कि प्रदेश में कोई नेतृत्व परिवर्तन नहीं होगा। बघेल ने यह भी कहा कि आगे के नेतृत्व के लिए सीबीएसई में संभावित विधानसभा चुनाव मल्लिकार्जुन खरगो और राहुल गांधी के नेतृत्व में लड़ा जाएगा तथा राज्य के सभी कांग्रेस नेता सामूहिक रूप से लड़ाई लड़ेंगे।

प्रदेश अध्यक्ष खरगो के आवास '10 राजाजी मार्ग' पर पंजाब को लेकर हुई बैठक के बाद



महासचिव ने कहा, "वेणुगोपाल जी इस बारे में पहले बोल चुके हैं, इस पर कोई चर्चा नहीं हुई।" उन्होंने आगे यह भी कहा, "यह केवल मीडिया में है, इसके अलावा कुछ नहीं है। नेतृत्व परिवर्तन के बारे में कोई चर्चा नहीं हुई। कोई परिवर्तन नहीं हो रहा है।" यह पूछे जाने पर कि वर्तमान अध्यक्ष अनिरुद्र सिंह राजा बड़िण को हटाया जा रहा है तो बघेल ने कहा, "बिल्कुल नहीं।" उन्होंने कहा कि प्रदेश के नेता मिलकर चुनाव लड़ेंगे और यह चुनाव खरगो और राहुल गांधी के नेतृत्व में लड़ा जाएगा।

बघेल ने पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि राज्य में भ्रष्टाचार और कानून-व्यवस्था की स्थिति सबसे बड़ा मुद्दा है।



त्विषा शर्मा मामला: पति समर्थ सिंह और सास को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा भोपाल की एक अदालत ने पूर्व मॉडल त्विषा शर्मा के पति समर्थ सिंह और उसकी सास गिरिबाला सिंह को दहेज उल्पीडन के आरोप में सीबीआई (केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो) की हिरासत की अवधि पूरी होने के बाद मंगलवार को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। त्विषा का शव 12 मई को भोपाल स्थित उसके ससुराल में फंसे से लटक मिला था। त्विषा के परिवार के वकील अंकुर पांडे ने बताया कि सीबीआई ने रिमांड अवधि पूरी होने के बाद समर्थ सिंह और

उसकी मां एवं सेवानिवृत्त जिला न्यायाधीश गिरिबाला को शोभना भलावे की अदालत में पेश किया जिसने दोनों को 16 जून तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया। सोमवार को सीबीआई ने त्विषा शर्मा की मौत की जांच के सिलसिले में डी मा का इस्तेमाल करके उनके ससुराल स्थित घर में अपराध के दृश्य का नाट्य रूपांतरण (रीकंस्ट्रक्शन) किया एवं कथित आत्महत्या की परिस्थितियों का अवलोकन किया था। अधिकारियों ने कहा था कि फॉरेंसिक और अपराध स्थल विशेषज्ञों के साथ सीबीआई समर्थ सिंह और गिरिबाला सिंह को घटनास्थल लेकर पहुंची और उनसे 12 मई की रात की घटना का विस्तृत ब्योरा देने को कहा।

पंजाब के मुख्यमंत्री ने विभिन्न फसलों के लिए सहकारी ऋण की सीमा बढ़ाने की घोषणा की

चंडीगढ़/भाषा पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने मंगलवार को राज्य में किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) रखने वालों के लिए अलग-अलग फसलों पर सहकारिता ऋण की सीमा बढ़ाने का ऐलान किया। यहां मीडिया से बात करते हुए मान ने कहा कि राज्य सरकार ने किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) रखने वालों के लिए नीति में बदलाव करने का फैसला किया है, ताकि इसे किसानों के लिए और ज्यादा फायदेमंद बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि गैर फसल के लिए ऋण सीमा 24,300 रुपए प्रति एकड़ से बढ़ाकर 30,000 रुपए प्रति एकड़ कर दी गई है। उन्होंने कहा कि पहली बार फसल के बचे हुए हिस्से (परासी) के प्रबंधन के लिए ऋण के तौर पर 2,000 रुपए प्रति एकड़ की रकम दी जाएगी। मान ने कहा कि फसल के लिए ऋण की सीमा 44,000 रुपए प्रति एकड़ से बढ़ाकर एक लाख रुपए प्रति एकड़ कर दी गई है। उन्होंने आगे कहा कि केसीसी योजना के तहत नई फसलें भी जोड़ी गई हैं, जिनके लिए किसानों को ऋण दिया जाएगा।



विवाहित बेटी को 'परिवार' की परिभाषा से अलग रखना स्पष्ट रूप से मनमाना : न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को व्यवस्था दी कि विवाहित बेटियों को अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति से बाहर नहीं रखा जा सकता है और 'परिवार' की परिभाषा में उन्हें शामिल नहीं करना स्पष्ट रूप से मनमाना, अनुचित और संवैधानिक रूप से अस्वीकार्य है।

न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा और न्यायमूर्ति आलोक आराधे की पीठ ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के उस आदेश को रद्द करते हुए यह टिप्पणी की, जिसमें कहा गया था कि अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति के उद्देश्य से 'परिवार' की परिभाषा में विवाहित बेटी शामिल नहीं है। उच्चतम न्यायालय ने यह व्यवस्था एक महिला द्वारा दायर अपील पर दी, जो एक मृत राशन डीलर की विवाहित बेटी है। उसने उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें अनुकंपा के आधार पर उचित मूल्य की दुकान पर डीलर के रूप में नियुक्ति के



उसके दावे को खारिज कर दिया गया था। महिला ने 2019 के उस सरकारी आदेश को चुनौती दी, जिसमें विवाहित बेटियों को 'परिवार' की परिभाषा से बाहर रखा गया था। शीर्ष अदालत ने फैसला दिया कि विवाहित बेटी को परिभाषा से बाहर रखना उचित नहीं है, क्योंकि आभित कोटा के तहत डीलरशिप आवंटन का उद्देश्य वित्तीय कठिनाइयों का सामना कर रहे मृत व्यक्ति के परिवार को तत्काल सहायता प्रदान करना है। पीठ ने कहा, "प्रारंभिक विचारणीय बिंदु निरभरता, वित्तीय आवश्यकता, निवास और डीलरशिप से जुड़े दायित्वों को पूरा करने की आवेदक की क्षमता। वैवाहिक स्थिति का इनमें से किसी भी विचारणीय बिंदु से कोई तात्किक संबंध नहीं है।" न्यायालय ने कहा कि विवाहित प्रावधान इस धारणा पर आधारित है कि विवाह के बाद बेटी अपने माता-पिता के परिवार की सदस्य या आभित नहीं रह जाती है और ऐसी धारणा संवैधानिक रूप

से अस्वीकार्य है। पीठ ने कहा, "विवाह न तो बेटी और उसके माता-पिता के बीच के बंधन को समाप्त करता है और न ही आभित नहीं होने का कोई वैध आधार प्रदान करता है। समकालीन सामाजिक वास्तविकताएं दर्शाती हैं कि कई विवाहित बेटियां अपने माता-पिता के साथ रहती हैं, उनका भरण-पोषण करती हैं या उन पर आभित बनी रहती हैं। इसी प्रकार, ऐसे बेटे भी हो सकते हैं, जो परिभाषा में शामिल होने के बावजूद परिवार पर आभित नहीं हैं। निरभरता एक तथ्यात्मक प्रश्न है और केवल वैवाहिक स्थिति के आधार पर इसका निर्णायक निर्धारण नहीं किया जा सकता है।" न्यायालय ने फैसले में कहा कि इस योजना में विवाहित बेटे को शामिल होने से बाहर नहीं रखा गया है, क्योंकि यह अपनी वैवाहिक स्थिति के बावजूद परिवार के दायरे में बना रहता है, जबकि बेटी को केवल इसलिए बाहर कर दिया जाता है, क्योंकि वह विवाहित है। पीठ ने टिप्पणी की, "यह भेद

लिंग आधारित एक रुढ़िवादी सोच पर आधारित है कि शादी के बाद बेटी दूसरे परिवार की सदस्य बन जाती है और मायके से उसके संबंध समाप्त हो जाते हैं।" इसने कहा, "इस तरह की धारणा समानता की संवैधानिक गारंटी के साथ असंगत है और लैंगिक असमानता की ऐतिहासिक धारणाओं को कायम रखती है, जिसे संविधान समाप्त करना चाहिए।" न्यायालय ने राज्य की इस दलील को खारिज कर दिया कि विवाहित बेटी स्थानीय निवास की आवश्यकता को पूरा नहीं कर सकती है और इस तर्क को पूरी तरह से असमर्थनीय माना। शीर्ष अदालत ने कहा कि इस मामले में, रिकॉर्ड पर मौजूद तथ्यों से यह साबित होता है कि महिला अपनी शादी के बाद भी उसी गांव में रहती है और उचित मूल्य की दुकान के संचालन में अपनी मां की सक्रिय रूप से सहायता करती रही। पीठ ने कहा, "अपनी मां के निधन के बाद, अपीलकर्ता ने अपनी बहनों के भरण-पोषण की जिम्मेदारी संभाली, जिसमें एक दृष्टिबाधित बहन भी शामिल है।"

मुख्यमंत्री विजय ने काले रंग के पीछे का 'रहस्य' उजागर किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

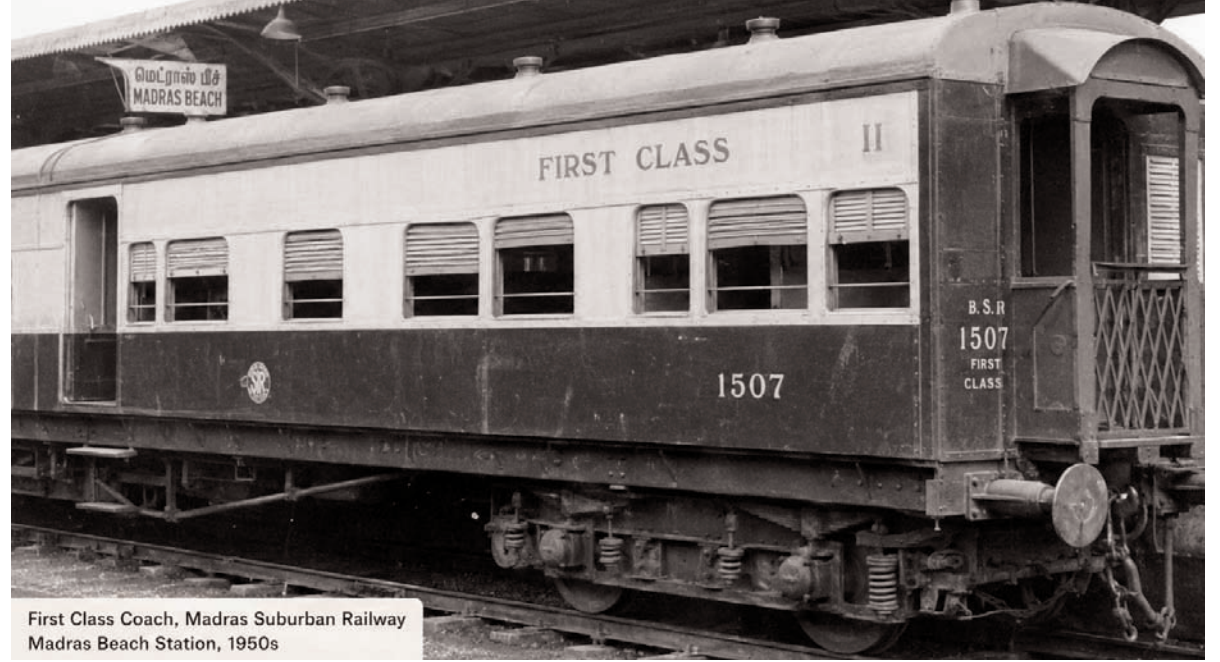
तिरुचिरापल्ली। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने सोमवार को सवाल किया कि क्या ब्लेजर पहनना केवल 'प्रभावशाली लोगों' का अधिकार है और कहा कि उनके पहनावे में काले रंग का प्रतीकत्व महत्व है। तमिलनाडु में 23 अप्रैल को हुए विधानसभा चुनाव में जीत हासिल करने के बाद अपने पहली रैली में विजय ने तिरुचि-पूर्व विधानसभा क्षेत्र के मतदाताओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने इस सीट से जीत हासिल की थी, लेकिन पेरम्बूर सीट रखने के लिए तिरुचि-पूर्व सीट से इस्तीफा

दे दिया। अपने कार्यक्रमों में ब्लेजर तथा सफेद और काले रंग के वस्त्र पहनने को लेकर की जा रही टिप्पणियों का उल्लेख करते हुए विजय ने कहा कि इस विषय पर लगातार चर्चा हो रही है। तमिलनाडु में आमतौर पर नेता सफेद कमीज और धोती पहनते हैं। विजय ने सवाल किया, 'क्यों? क्या हम सभी को कोट और सूट नहीं पहनना चाहिए? क्या यह केवल सत्ता में बैठे लोगों के लिए है या केवल प्रभावशाली वर्गों के लिए?' उन्होंने कहा कि उनका काला ब्लेजर और सफेद कमीज पहनना इस बात का प्रतीक है कि



विजय हर मामले में 'ब्लैक एंड व्हाइट' यानी पूरी पारदर्शिता और स्पष्टता के साथ काम करेंगे। मुख्यमंत्री ने इस बारे में विस्तार से बताया बिना यह भी कहा कि लोग यह भी समझते हैं कि काले रंग का क्या अर्थ है। तमिलनाडु में लगभग एक सदी पहले द्रविड़ आंदोलन के उदय के साथ काला रंग उत्पीड़न के खिलाफ प्रतीक, आत्मसम्मान, सामाजिक न्याय और समानतावादी आदर्शों के प्रति निष्ठा का प्रतीक माना जाता रहा है। द्रविड़ मुनेत्र कषमम (द्रमुक) के उनके 'मौन मोड' में रहने के आरोप को खारिज करते हुए विजय

ने कहा कि वह हर बात का स्पष्टीकरण नहीं देते और न ही लगातार बोलते रहते हैं। उन्होंने कहा, 'मैंने सभी सार्वजनिक सभाओं में अधिकतम 20 मिनट तक ही भाषण दिया है।' तमिलना वेत्री कषमम (टीवीके) प्रमुख ने कहा कि लोग उनसे जनकल्याण के लिए अपने काम पर ध्यान केंद्रित करने को कह रहे हैं। उन्होंने बताया कि लोगों ने उनसे यह भी कहा है कि उनकी आलोचना करने वालों से वे निपट लेंगे। हालांकि, विजय ने कहा कि इसका अर्थ यह नहीं है कि उनके कोई राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी नहीं हैं। उन्होंने फिर कहा कि तमिलनाडु में वास्तविक राजनीतिक मुकामबला केवल टीवीके और द्रमुक के बीच है।



First Class Coach, Madras Suburban Railway Madras Beach Station, 1950s

चेन्नई के उपनगरीय इलाकों में चलने वाली प्रथम श्रेणी की बसें जारी हैं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। जैसे-जैसे चेन्नई का उपनगरीय रेलवे नेटवर्क 2031 में इलेक्ट्रिक ट्रेन संचालन की शताब्दी की ओर बढ़ रहा है, इसकी सबसे पुरानी परंपराओं में से एक यात्रियों को हर दिन सेवा प्रदान करती रहेगी 'प्रथम श्रेणी का डिब्बा'। चेन्नई की उपनगरीय ट्रेनों लाइनों यात्रियों को किरायाती और कुशल परिवहन प्रदान करने के लिए व्यापक रूप से जानी जाती हैं, वहीं प्रथम श्रेणी की सुविधा अपने शुरुआती वर्षों से ही नेटवर्क की एक अभिन्न विशेषता रही है, जो शहर की रेलवे विरासत के एक

अनूठे पहलू को दर्शाती है। मद्रास (अब चेन्नई) में उपनगरीय रेल सेवाओं का विकास उन्नीसवीं सदी के उत्तरार्ध और बीसवीं सदी के आरंभिक वर्षों में शुरू हुआ। उस समय की रेल प्रथाओं के अनुरूप, ट्रेनों में यात्रियों की विभिन्न आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अलग-अलग श्रेणियों की यात्रा की सुविधा उपलब्ध कराई गई। बेहतर यात्रा अनुभव चाहने वाले यात्रियों को अधिक आराम, गोपनीयता और सुविधा प्रदान करने के लिए प्रथम श्रेणी की व्यवस्था शुरू की गई। भारत की सबसे शुरुआती उपनगरीय रेलवे विद्युतीकरण परियोजनाओं में से एक, मद्रास बीच और तांबरम के बीच 11 मई 1931 को

विद्युतीकृत उपनगरीय सेवाओं की शुरुआत के बाद भी प्रथम श्रेणी यात्रा का महत्व बना रहा। नवगठित इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट (ईएमयू) सेवाओं में प्रथम श्रेणी के लिए विशेष डिब्बे बनाए गए थे और तब से ये चेन्नई की उपनगरीय ट्रेनों की एक विशेषता बनी हुई है। ऐतिहासिक रूप से, प्रथम श्रेणी की यात्रा विशेष रूप से जारी किए गए टिकटों और सीजन पास द्वारा समर्थित थी। मजबूत कार्डबोर्ड पर मुद्रित ये टिकट अक्सर क्रीम, बफ या हल्के पुरे रंग के होते थे और इनमें मार्ग विवरण, वैधता अवधि, सीरियल नंबर और श्रेणी का उल्लेख होता था। मासिक और त्रैमासिक सीजन टिकटों ने नियमित यात्रियों को आरामदायक यात्रा करने में

सक्षम बनाया और साथ ही बीसवीं शताब्दी के दौरान शहर भर में विकसित हो रही उपनगरीय यात्री संस्कृति को भी बढ़ावा दिया। आज, महत्वपूर्ण तकनीकी प्रगति और भारत की सबसे व्यस्त उपनगरीय रेलवे प्रणालियों में से एक के विकास के बावजूद, प्रथम श्रेणी के कोच चेन्नई के उपनगरीय नेटवर्क में ईएमयू सेवाओं की एक मूल्यवान विशेषता बने हुए हैं। जैसे-जैसे उपनगरीय नेटवर्क अपने विद्युत संचालन के 100 वर्ष पूरे करने के करीब पहुंच रहा है, फर्स्ट क्लास कोच शहर के रेलवे के अतीत और वर्तमान के बीच एक जीवंत कड़ी के रूप में खड़े हैं, जो एक ऐसी परंपरा को दर्शाते हैं जिसने पीढ़ियों से यात्रियों की सेवा की है।

दक्षिणी रेलवे के लिए नए प्रधान मुख्य वाणिज्यिक प्रबंधक सैथिलकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। आर. सैथिलकुमार, आईआरटीएस ने 2 जून को दक्षिणी रेलवे के प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधक (पीसीसीएम) के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। दक्षिणी रेलवे में प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधक का पदभार ग्रहण करने से पहले, वे दक्षिणी रेलवे में मुख्य वाणिज्य प्रबंधक (यात्री विभाग) के पद पर कार्यरत थे। सीसीएम-

पीएम/एसआर के अतिरिक्त, उन्होंने दक्षिणी रेलवे में मुख्य दावा अधिकारी और दक्षिणी रेलवे में मुख्य सूचना सुरक्षा अधिकारी के पदों का अतिरिक्त प्रभार भी संभाला था। तीन दशकों तक फैंली अपनी उत्कृष्ट सेवा के दौरान, उन्होंने रेलवे संचालन, सुरक्षा और वाणिज्यिक प्रबंधन में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने सात वर्षों तक जहाजरानी मंत्रालय के अधीन प्रतिनियुक्ति पर भी कार्य किया, जहाँ उन्होंने



महाप्रबंधक (संचालन) और व्यवस्थापक (कॉर्पोरेट रणनीति और व्यवसाय विकास) के पदों पर रहते हुए समुद्री क्षेत्र में रणनीतिक योजना और परिचालन उत्कृष्टता में योगदान दिया। सैथिलकुमार को उनकी अनुकरणीय निष्ठा और पेशेवर उपलब्धियों के सम्मान में रेलवे स्टाफ कॉलेज से महानिदेशक का स्वर्ण पदक और उत्कृष्ट सेवा के लिए रेल मंत्री का राष्ट्रीय पुरस्कार सहित कई प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त हुए।

ations on Priyanka Mohan's Appointment as Honorary Ambassador of Korea Tourism
한(Priyanka Mohan) 한국관광 명예홍보대사 위촉식
June 1, 2026



प्रियंका मोहन कोरिया पर्यटन की मानद राजदूत नियुक्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। कोरियाई सरकार और कोरिया पर्यटन संगठन ने लोकप्रिय अभिनेत्री प्रियंका अरुल मोहन को कोरिया पर्यटन के लिए मानद राजदूत नियुक्त किया है। प्रियंका ने निर्देशक रा कार्तिक की हाल ही में रिलीज हुई तमिल फिल्म 'मेड इन कोरिया' में मुख्य भूमिका निभाई थी। इस सम्मान के लिए आभार व्यक्त करने के लिए अपने इंटरग्राम पेज पर प्रियंका ने लिखा, 'इस शानदार सम्मान के लिए मैं बेहद आभारी हूँ। कोरिया टूरिज्म के लिए 'मानद राजदूत' नियुक्त होना मेरे लिए सचमुच बहुत खास है। मैं कोरियाई सरकार और कोरिया टूरिज्म ऑर्गनाइजेशन की तह दिल से शुक्रगुजार हूँ कि उन्होंने मुझे ऐसे व्यक्ति के तौर पर पहचाना जो कोरियाई संस्कृति को भारतीय दर्शकों के और करीब लाने में मदद कर सकता है।

मिलने पर गहरा गर्व महसूस हुआ। राष्ट्रपति भवन में हुए डिनर की अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते हुए उन्होंने लिखा था, राष्ट्रपति भवन में एक बेहद शानदार शाम। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु द्वारा आयोजित डिनर में शामिल होकर मैं सम्मानित महसूस कर रही हूँ, जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे-म्युंग भी उपस्थित थे। नेताओं से मिलने और उनके साथ समय बिताने के अपने अनुभव का जिक्र करते हुए उन्होंने लिखा, मेरे अंदर की छोटी बच्ची को आज उपलब्ध का गहरा एहसास हो रहा है। यह एक ऐसा पल है जो बरसों के सपनों, कड़ी मेहनत और विश्वास को खामोशी से बर्बाद करता है। ऐसे पल मुझे याद दिलाते हैं कि हम जो करते हैं, वह क्यों करते हैं, कहांनी सुनाना, जो अलग-अलग संस्कृतियों को आपस में जोड़ता है। यह एक ऐसी याद है जिसे मैं हमेशा सहेजकर रखूंगी। उन्होंने 'मेड इन कोरिया' की टीम को धन्यवाद देते हुए अपनी पोस्ट खत्म की और कहा, इस सफर को इतना खास बनाने के लिए 'मेड इन कोरिया' की पूरी टीम का दिल से शुक्रिया। गौरतलब है कि 'मेड इन कोरिया', जिसमें प्रियंका अरुल मोहन मुख्य भूमिका में हैं, 12 मार्च को सीधे ओटीडी प्लेटफॉर्म नेटवर्क पर रिलीज हुई थी।

दिलचस्प बात यह है कि इस फिल्म का एक बड़ा हिस्सा कोरिया में शूट किया गया था, और यह प्रियंका अरुल मोहन का पहला ऐसा प्रोजेक्ट है जिसमें उन्हें इंटरनेशनल सितारों के साथ काम करने का मौका मिला। 'मेड इन कोरिया' तमिल सिनेमा की भी पहली ऐसी फिल्म है जिसे कोरिया में शूट किया गया है।

त्रिची उपचुनाव में चुनाव नहीं लड़ंगा, मंत्री पद की कोई इच्छा नहीं : वीसीके प्रमुख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। विद्युत्लाई चिरुथैल काची (वीसीके) प्रमुख थोल चिरुमावलन ने मंगलवार को एलान किया कि वह तिरुचिरापल्ली पूर्व विधानसभा सीट से उपचुनाव नहीं लड़ेंगे और उनकी टीवीके कैबिनेट में मंत्री बनने की कोई इच्छा नहीं है। वीसीके संस्थापक ने कहा कि वह किसी भी उपचुनाव में नहीं उतरेंगे और किसी के दबाव में नहीं आएंगे। उन्होंने यह बयान उन अटकलों के बीच दिया, जिनमें कहा जा रहा था कि टीवीके के सहयोगी दल के नेता के रूप में वह तिरुचिरापल्ली पूर्व विधानसभा सीट से चुनाव लड़कर विधानसभा पहुंच सकते हैं।

यह सीट 23 अप्रैल को हुए विधानसभा चुनाव में सी. जोसेफ विजय ने जीती थी। दो विधानसभा क्षेत्रों से जीत हासिल करने के बाद विजय ने चेन्नई की पेरम्बूर सीट अपने पास रखने का फैसला किया और तिरुचिरापल्ली पूर्व सीट खाली कर दी, जिसके कारण यहां उपचुनाव जरूरी हो गया है। चिरुमावलन ने एक वीडियो संदेश में कहा, 'मैं पूरे जोरशोर से कह रहा हूँ कि मैं कोई भी उपचुनाव नहीं लड़ूंगा और किसी के प्रभाव में नहीं आऊंगा।' उन्होंने यह भी खुलासा किया कि सी. जोसेफ विजय द्वारा खाली की गई तिरुचिरापल्ली पूर्व विधानसभा सीट से चुनाव लड़ने का प्रस्ताव उन्हें दिया गया था। साथ ही यह आश्वासन भी दिया गया था कि यदि वह चुनाव जीत जाते हैं तो उन्हें सरकार में मंत्री पद दिया जाएगा। उन्होंने कहा, 'मैंने इसे अस्वीकार कर दिया। मैं मुख्यमंत्री विजय को इस प्रस्ताव के लिए



धन्यवाद देता हूँ।' वीसीके ने वामपंथी दलों और इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) के साथ मिलकर विजय नीत टीवीके को सरकार बनाने में समर्थन दिया था, जबकि कांग्रेस ने चुनाव बाद समझौते के तहत टीवीके का साथ दिया। कांग्रेस के अलावा वीसीके और आईयूएमएल के विधायकों को नयी सरकार में जगह दी गई है। चिरुमावलन ने स्पष्ट किया कि उन्होंने टीवीके को समर्थन देने से पहले द्रविड़ मुनेत्र कषमम (द्रमुक) अध्यक्ष एम.के. स्टालिन से सलाह ली थी। यह समर्थन मुख्य रूप से तमिलनाडु में राष्ट्रपति शासन लागू होने से रोकने के लिए दिया गया था। वीसीके प्रमुख ने कहा, 'चुनाव से पहले मैं विजय का कड़ा आलोचक रहा हूँ और उन पर अल्पसंख्यक वोट बांटने और सेक्सुअल ग्रीडिंग अलायंस' की प्रगति में बाधा डालने का आरोप भी लगाया था।' उन्होंने टीवीके का प्रस्ताव यह कहते हुए ठुकराया कि वह सत्ता के भूखे नहीं हैं। उन्होंने यह भी कहा कि कैबिनेट में भूमिका पाने के लिए विधायक बनना जरूरी नहीं है।

विजय के तिरुचिरापल्ली दौरे में किसानों के मुद्दों को नजरअंदाज किया गया : अंबुमणि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। पडाली मकल काची (पीएमके) नेता अंबुमणि रामदास ने मंगलवार को इस बात पर निराशा व्यक्त की कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. वी. विजय जोसेफ अपनी त्रिची यात्रा के दौरान किसानों की समस्याओं को संबोधित करने के लिए कोई भी घोषणा करने में विफल रहे, जो सिंचाई और कृषि पर अपेक्षाओं को देखते हुए यह निराशाजनक है कि विजय ने रेली में कोई घोषणा नहीं की। मुख्यमंत्री के रूप में यह उनकी पहली राजनीतिक सभा थी लेकिन यह आयोजन चुनाव प्रचार रैली जैसा ही लग रहा था।' अंबुमणि ने 2026



पीएमके नेता ने कहा, 'खासकर तमिलनाडु के लोगों, विशेष रूप से किसानों की अपेक्षाओं को देखते हुए यह निराशाजनक है कि विजय ने रेली में कोई घोषणा नहीं की। मुख्यमंत्री के रूप में यह उनकी पहली राजनीतिक सभा थी लेकिन यह आयोजन चुनाव प्रचार रैली जैसा ही लग रहा था।' अंबुमणि ने 2026

के विधानसभा चुनाव का जिक्र करते हुए कहा कि विजय के पदभार संभालने के बाद से कई दिन बीत चुके हैं लेकिन शासन संबंधी पहलों में कोई बड़ी नीतिगत घोषणा नहीं की गई है। उन्होंने कहा, 'हालांकि यह (त्रिची जनसभा) सरकारी कार्यक्रम नहीं था, फिर भी लोगों को उनसे कारण तमिलनाडु के किसान बेहद चिंतित हैं और राज्य सरकार से कड़े हस्तक्षेप की मांग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसान उर्वरक की बढ़ती कीमतों, खरीद केंद्रों में अनियमितताओं, रेत घोरों रोकने के उपायों और नदियों पर चेक डैम के निर्माण पर स्पष्ट निर्णय की उम्मीद कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'इन गंभीर मुद्दों पर ध्यान देने के बजाय, उनका त्रिची संबोधन विपक्ष की आलोचना पर केंद्रित हो गया।'

मुख्यमंत्री मेडू बांध के खुलने और कुरियाई में खेती जैसे मुद्दों पर चुप रहे।' डेल्टा जिलों की विधाओं को उजागर करते हुए अंबुमणि ने कहा कि मेकदातु बांध परियोजना अब भी चिंता का एक प्रमुख कारण बनी हुई है। उन्होंने वेतायानी दी कि कर्नाटक द्वारा परियोजना को आगे बढ़ाने के कारण तमिलनाडु के किसान बेहद चिंतित हैं और राज्य सरकार से कड़े हस्तक्षेप की मांग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसान उर्वरक की बढ़ती कीमतों, खरीद केंद्रों में अनियमितताओं, रेत घोरों रोकने के उपायों और नदियों पर चेक डैम के निर्माण पर स्पष्ट निर्णय की उम्मीद कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'इन गंभीर मुद्दों पर ध्यान देने के बजाय, उनका त्रिची संबोधन विपक्ष की आलोचना पर केंद्रित हो गया।'

तेलुगु गंगा नहर के माध्यम से जल आपूर्ति फिर से शुरू

कृष्णा नदी का पानी चेन्नई के जलाशयों तक पहुंचा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। आंध्र प्रदेश के कंदलेरु जलाशय से कृष्णा नदी का पानी छोड़ने के बाद तेलुगु गंगा नहर प्रणाली के माध्यम से तमिलनाडु पहुंचाना शुरू हो गया है। इससे गंगा के मौसमी धान के बाहर लोगों ने प्रदर्शन किया और पुलिस से संदिग्ध को उनके हवाले करने की मांग की। इसके अलावा पल्लिपालायम-सेलम मार्ग पर चक्काजाम किया गया, जिससे क्षेत्र में यातायात बाधित हुआ। कुछ लोगों ने 59 वर्षीय संदिग्ध पर उस समय हमला करने का प्रयास किया, जब पुलिस उसे थाने ले जा रही थी। नमकल के जिला कलेक्टर एल. मधुबालन और पुलिस अधीक्षक (एसपी) एस. विमला ने आक्रोशित भीड़ को शांत किया और आरोपी के खिलाफ तत्काल एवं सख्त कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। इसके बाद प्रदर्शनकारी वहां से हट गए और पुलिस संदिग्ध को स्थानीय अदालत ले गई। अधिकारियों ने बताया कि तीन वर्षीय बच्ची रविशार शम को अपने घर के पास खेल रही थी, तभी उसके 59 वर्षीय पड़ोसी ने उसका कथित तौर पर यौन उत्पीड़न किया। इसकी माता-पिता की शिकायत पर कुमरपलायम पुलिस ने आरोपी को एक जून को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि इस घटना के कुछ ही घंटों बाद, 62 वर्षीय एक स्थानीय विदाहा मजदूर ने 12 वर्षीय एक बच्ची को कथित तौर पर बहला-फुसलाकर उसका यौन उत्पीड़न किया।

कंदलेरु जलाशय से लगभग 1,900 क्यूसेक पानी तेलुगु गंगा नहर नेटवर्क में छोड़ा। तमिलनाडु सीमा तक पहुंचने से पहले जल को नहर प्रणाली के माध्यम से लगभग 152 किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ी। अधिकारियों ने शुरू में अनुमान लगाया था कि जल प्रवाह 25 मई को जीरो पाइंट पर पहुंच जाएगा, लेकिन अंततः यह 28 मई को 50 क्यूसेक की दर से सीमा पर पहुंचा और तब से यह बढ़कर 75 क्यूसेक हो गया है। जल संसाधन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि कृष्णा नदी का पानी वर्तमान में पूड़ी जलाशय में 75 घन फुट प्रति सेकंड (क्यूसेक) की दर से बह रहा है, जो कुछ दिन पहले दर्ज किए गए 50 क्यूसेक के प्रारंभिक प्रवाह से अधिक है। यह पानी तिरुचुरुर जिले के उथुकोण्डर स्थित जीरो पाइंट से होते हुए तमिलनाडु में प्रवेश कर पूड़ी जलाशय तक पहुंचा, जो चेन्नई की पेयजल आवश्यकताओं की पूर्ति करने वाले चार प्रमुख जलाशयों में से एक है। यह जल प्रवाह ऐसे महत्वपूर्ण समय में आया है, जब शहर के जलाशयों में कुल मिलकर 7.154 हजार मिलियन घन फुट (टीएमसी फीट) पानी है, जो उनकी कुल भंडारण क्षमता के लगभग 54.11 प्रतिशत है। कृष्णा नदी का जल छोड़ा जाना तमिलनाडु के अधिकारियों द्वारा आंध्र प्रदेश के अधिकारियों से हाल ही में किए गए अनुरोध के बाद हुआ है, जिसमें उन्होंने गर्मियों के महीनों में चेन्नई के पानी की मांग को पूरा करने के लिए अतिरिक्त आपूर्ति की मांग की थी। इस अनुरोध पर आंध्र प्रदेश सरकार ने

नौकरी दिलाने का झांसा देकर महिला का यौन उत्पीड़न करने के आरोप में दो गिरफ्तार

तूतीकोरिन। नौकरी दिलाने का झांसा देकर एक महिला का कथित तौर पर यौन उत्पीड़न करने के मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपी महिला को नौकरी दिलाने का भरोसा देकर उसे एक कार से रामनाथपुरम जिले के एरवाडी ले गए जिसके बाद उन्होंने महिला को नशीला पदार्थ मिला शीतल पेय दिया और फिर उसका यौन उत्पीड़न किया। उसने बताया कि पीड़िता की शिकायत के बाद श्रीवेकुंटम महिला थाना पुलिस ने बालासुब्रमण्यम (35) और जयपाल (28) को गिरफ्तार किया। दोनों को तमिलना वेत्री कषमम (टीवीके) का पदाधिकारी बताया जा रहा है। उन्हें सोमवार को पलायमकोर्ट में केंद्रीय कारागार में न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। द्रविड़ मुनेत्र कषमम (द्रमुक) की उप महासचिव कनिमोई ने इस घटना पर हैरानी जताई और महिलाओं को पर्याप्त सुरक्षा मुहैया नहीं कराने को लेकर सत्तारूढ़ टीवीके की आलोचना की। कनिमोई ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, 'आज नशीला महिलाओं की सुरक्षा एक बड़ा मुद्दा है, ऐसे में मुख्यमंत्री विजय कब द्रमुक को दोष देना बंद करेंगे और यह समझेंगे कि अब राज्य की सत्ता में वह हैं तथा उन्हें जिम्मेदारी से काम करना चाहिए।'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

हमने शोहदों को ठीक किया, जो बोली से नहीं माना
वो गोली से जरूर मान गया : योगी आदित्यनाथदक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कुशीनगर (उम्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि उनकी सरकार ने शोहदों को ठीक किया है और जो बोली से नहीं माना वो गोली से जरूर मान गया।

अपराधियों और असाामाजिक तत्वों का जिक्र करते हुए उन्होंने यहां कहा, "हमने इन 'शोहदे' (उपद्रवियों) को ठीक कर दिया है। जो नहीं सुधरे, जिन्होंने बातों से नहीं सुनी, उन्होंने आखिरकार गोलीयाँ की बात सुनी।"

मुख्यमंत्री ने कहा, "पहले की सरकारों ने उत्तर प्रदेश को 'कट्टा' (देशी पिस्तौल) और बमों के लिए जाना था। आज वही उत्तर प्रदेश



देश की सुरक्षा के लिए ब्रह्मोस मिसाइलों बना रहा है।" एक बयान के मुताबिक मंगलवार को यहां 424 करोड़ रुपये की 278 विकास परियोजनाओं के लोकार्पण एवं शिलान्यास के अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि कुशीनगर अब पिछड़ेपन की पहचान नहीं, बल्कि बुलेट स्पीड से आगे बढ़ते नए उत्तर

प्रदेश का प्रतीक बन रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान राम के पुत्र कुश, भगवान बुद्ध और भगवान महावीर की तपोभूमि कुशीनगर आज विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। उन्होंने कहा कि 9-10 वर्ष पहले यह जनपद पहचान के संकट, इंसेफेलाइटिस, माफिया राज,

भूख, बेरोजगारी और अव्यवस्था से जूझ रहा था, खनन माफिया का आतंक था, किसान शोषण का शिकार था, उपज का उचित मूल्य नहीं मिलता था, स्वास्थ्य और शिक्षा सुविधाएं बहाल थीं तथा फाजिलनगर व कसया क्षेत्र में मुसहर समुदाय के लोगों की भूख से मौत की खबरें आती थीं। उन्होंने कहा कि लेकिन 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने नया रास्ता चुना और 'डबल इंजन' सरकार के प्रयासों से कुशीनगर की तस्वीर बदल गई तथा आज जिले में लगभग 90 हजार गरीबों को आवास, 3.14 लाख से अधिक परिवारों को शौचालय, मुफ्त राशन, आयुष्मान भारत योजना के तहत स्वास्थ्य सुरक्षा सहित अनेक जनकल्याणकारी सुविधाएं मिल

रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस कुशीनगर में कभी मेडिकल कॉलेज, विश्वविद्यालय और हवाईअड्डे की कल्पना तक नहीं की जा सकती थी, आज यहां अपना मेडिकल कॉलेज, अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा और कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय जैसी सुविधाएं साकार रूप ले चुकी हैं। उन्होंने कहा कि इसी सत्र से कृषि विश्वविद्यालय का संचालन शुरू होगा और बच्चों का प्रवेश कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसानों को गन्ने का मूल्य 315 रुपये से बढ़ाकर 400 रुपये प्रति क्विंटल दिया जा रहा है तथा भुगतान भी समय पर सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इंसेफेलाइटिस लगभग समाप्त हो चुकी है, ठीक वैसे ही जैसे उत्तर प्रदेश से माफिया राज समाप्त हुआ है।

नेपाल की राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के प्रमुख ने
भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन से मुलाकात कीदक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। नेपाल की राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) के अध्यक्ष रवि लामिछाने ने मंगलवार को यहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से मुलाकात की।

भाजपा मुख्यालय पहुंचने पर नेपाल के सत्तारूढ़ दल से जुड़े वरिष्ठ नेताओं के इस प्रतिनिधिमंडल का भव्य स्वागत किया गया। भाजपा के विदेश मामलों के विभागाध्यक्ष विजय चौधरीवाले ने एक बयान में कहा, प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए, नवीन ने साझा सभ्यतागत विरासत, सांस्कृतिक संबंधों और मजबूत जन-केंद्रित संबंधों पर

आधारित भारत और नेपाल के बीच घनिष्ठ और ऐतिहासिक संबंधों को रेखांकित किया। लामिछाने के नेतृत्व में आरएसपी का यह प्रतिनिधिमंडल भाजपा अध्यक्ष नवीन के निमंत्रण पर भारत के दौर पर है। यह प्रतिनिधिमंडल सोमवार दोपहर को नई दिल्ली पहुंचा था। चौधरीवाले ने कहा कि नवीन ने इस बात पर जोर दिया कि इस तरह की बातचीत से भाजपा और आरएसपी के बीच लोकतांत्रिक संवाद मजबूत होता है और दोनों के बीच जुड़ाव गहरा होता है। उन्होंने कहा कि नवीन ने भाजपा की यात्रा, विचारधारा, संगठनात्मक ढांचे और राजनीतिक जुड़ाव के लिए उसके जन-केंद्रित दृष्टिकोण के बारे में जानकारी साझा की। चौधरीवाले ने बताया कि भाजपा अध्यक्ष ने राष्ट्रीय स्तर से लेकर बृथ स्तर तक पार्टी

के संगठनात्मक ढांचे को समझाया और जमीनी स्तर पर लोगों के साथ सीधा और निरंतर संपर्क बनाए रखने में भाजपा कार्यकर्ताओं के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, बातचीत के दौरान, आरएसपी प्रतिनिधिमंडल भाजपा की सदस्यता प्रक्रिया, उम्मीदवार चयन प्रणाली और जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं की पहचान करने तथा उनके साथ जुड़ने के तरीके के तंत्र को जानने के लिए काफी उत्सुक था। चौधरीवाले ने कहा, उनके सवालों का जवाब देते हुए, नवीन ने समझाया कि कैसे निरंतर जनसंपर्क, बृथ स्तर के जुड़ाव और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में आम नागरिकों की भागीदारी के माध्यम से भाजपा की संगठनात्मक ताकत का निर्माण होता है।



ममता बनर्जी ने 'चुनाव के बाद हुई हिंसा' के विरोध में कोलकाता में धरना दिया

कोलकाता/भाषा। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने हालिया विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं पर कथित तौर पर हुए हमलों के विरोध में मंगलवार को मध्य कोलकाता में अर्धरात्रि के दिवस धरना शुरू किया।

कोलकाता पुलिस द्वारा तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को रानी रश्मोनी रोड पर धरना आयोजित करने की अनुमति देने से इनकार किए जाने के बाद ममता बनर्जी एस्प्लेनेड के वाई-चैनल स्थित धरना स्थल पर पहुंचीं। भीड़ को मेगाफोन के माध्यम से संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने आरोप लगाया, "हमें मंच स्थापित करने और माइक्रोफोन के इस्तेमाल की अनुमति नहीं दी गई।" धरना-प्रदर्शन के दौरान अफसर-ताफरी का माहौल देखने को मिला और पूर्व मुख्यमंत्री के भाषण के बीच तृणमूल कार्यकर्ता नारेबाजी करते रहे। बनर्जी के साथ पार्टी के वरिष्ठ नेता फिरहाद हकीम, मदन मित्रा, डेरेक ओ'ब्रायन, कल्याण बनर्जी और डोला सेन नजर आए, जबकि टीएमसी के टिकट पर विधानसभा चुनाव जीतकर आए अधिकांश नए चेहरे कार्यक्रम से नदारद रहे।

अतीका की करियर की सबसे प्रभावशाली जीत से यूनाजान में गूंजा भारतीय राष्ट्र गान



थेसालोनीकी (यूनान)/भाषा। महज 11 वर्षीय भारतीय रसेर (कार्ट रसिंग ड्राइवर) अतीका मीर ने विश्व मोटरस्पोर्ट मंच पर अपनी प्रतिभा का एक और शानदार प्रदर्शन करते हुए 'सेंथियंस ऑफ द प्यूचर' अकादमी प्रोग्राम के दूसरे दौर में क्वालिफाईंग, हीट रसेर और फाइनल्स में जीत दर्ज कर करियर की सबसे प्रभावशाली सफलता हासिल की। फार्मूला वन अकादमी का समर्थन पाने वाली अतीका ने ओके-एनजे (12-14 वर्ष आयु वर्ग) श्रेणी में बेहद प्रतिस्पर्धी क्षेत्र में दबदबा कायम किया। उन्होंने इस वर्ग में अपने पहले ही सत्र में कई अनुभवी पुरुष ड्राइवर्स को कड़ी चुनौती देते हुए असाधारण प्रदर्शन किया। पूरे सप्ताहांत अतीका का प्रदर्शन अन्य प्रतिभागियों से कहीं बेहतर रहा। क्वालिफाईंग से लेकर हीट रसेर और दोनों फाइनल्स तक उन्होंने अपना दबदबा बनाए रखा। इस शानदार उपलब्धि के साथ वह ब्रूखला के इतिहास में क्वालिफाईंग, हीट्स और फाइनल्स में सूपड़ा साफ करने वाली केवल तीसरी ड्राइवर बन गईं। ट्रैक पर संयम व आत्मविश्वास के साथ कमाल का प्रदर्शन करने वाली अतीका पोजिशन के शीर्ष स्थान पर खड़ी होकर भारतीय राष्ट्रगान बजने के दौरान भावुक हो गईं। उनका लक्ष्य 1990 के दशक की शुरुआत के बाद फार्मूला वन में पहुंचने वाली पहली महिला ड्राइवर बनना है।

मथुरा में अध्यात्म की आड़ में सुवर्तियों का शोषण करने वाला साधु बना मैकेनिकल इंजीनियर गिरफ्तार

मथुरा (उम्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मथुरा जनपद में पुलिस ने राधाकृष्ण में आश्रम बनाकर बेहतर नौकरी दिलाने एवं अध्यात्म का पाठ पढ़ाने का झांसा देकर उच्च शिक्षित सुवर्तियों का शोषण करने के आरोप में एक ऐसे युवक को गिरफ्तार किया है जो अक्सर इंजीनियर सुवर्तियों को ही अपना शिकार बनाता था। पुलिस ने आरोपी के पास से अलग-अलग राज्यों की दो सुवर्तियों एवं एक युवक को भी मुक्त कराया है। उन्होंने बताया कि युवक एवं सुवर्तियों के परिजन उन्हें अपने साथ ले गए हैं। पुलिस ने मुताबिक ताजा मामला तब प्रकाश में आया जब छत्तीसगढ़ की रहने वाली 22 वर्षीय बीएससी नर्सिंग की छात्रा ने 25 मई को गोवर्धन थाने में प्राथमिकी दर्ज करावारी।

युवती का आरोप है कि बाबा ने पहले तो भगवान का प्रसाद बताकर पीड़िता को नशीला पदार्थ मिला दूध पिलाया और बेहोश होने के बाद उसके साथ दुष्कर्म किया और अश्लील फोटोवीडियो बना लिए। पुलिस ने बताया कि इसके बाद वह युवती एक बार तो अपने घर वापस चली गईं, परंतु जब आरोपी ने उसे फोन कर धमकी दी कि वह उसे पांच लाख रुपये दे, अन्यथा उसके वीडियो सोशल मीडिया पर जारी कर देगा।



आईपीएल ट्रॉफी जीतने के बाद पत्नी संग प्रेमानन्द महाराज के आश्रम पहुंचे क्रिकेटर विराट कोहली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मथुरा (उम्र)/भाषा। लगातार दूसरे वर्ष रॉयल चैलेंजर्स बंगलुरु (आरसीबी) को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) ट्रॉफी जीत दिलाने वाले क्रिकेटर विराट कोहली अभिनेत्री पत्नी अनुष्का शर्मा संग मंगलवार को संत प्रेमानन्द महाराज के वृन्दावन स्थित आश्रम पहुंचे और गुरु का आशीर्वाद पाकर आभार जताया।

आश्रम सूत्रों के अनुसार वे दोनों मुंह पर मास्क लगाए सुबहसुबह करीब सात बजे कार से वृन्दावन परिक्रमा मार्ग स्थित श्रीहत राधा केलि कुंज आश्रम पहुंचे और संत के

'वंदे मातरम् को लेकर कांग्रेस फिर मुस्लिम लीग के आगे झुक गई'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राष्ट्रीय वंदे मातरम् पर कांग्रेस नेता शशि थरूर की टिप्पणी को लेकर उन पर निशाना साधते हुए मंगलवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस केरल में उस मुस्लिम लीग के अगुए बार फिर 'झुक' गई है जो सत्तारूढ़ गठबंधन में उसकी सहयोगी है। थरूर ने आधिकारिक कार्यक्रमों की शुरुआत और अंत में वंदे मातरम् के सभी पांच अंतरे गाए जाने की जरूरत पर सवाल उठाया था। उन्होंने इस चलन को "अनावश्यक रूप से थोपा गया" बताया था।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने थरूर की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस ने पूरे वंदे मातरम् के गायन का विरोध कर राष्ट्रीय सम्मान के प्रति अन्याय दिखाया है। पूनावाला ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक वीडियो साझा करते हुए कहा, "कांग्रेस पार्टी ने एक बार फिर दिखा दिया है कि वह



राष्ट्रीय सम्मान के खिलाफ है। उसने पूरे वंदे मातरम् के गायन का विरोध किया है। शशि थरूर कहते हैं कि सभी अंतरे को गाना अनावश्यक रूप से थोपा जाना है। वंदे मातरम् के पूर्ण संस्करण में छह अंतरे हैं और फिर भी आप इसे अनावश्यक थोपा बता रहे हैं।" उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने वही मानसिकता दिखाई है, जिसके कारण अगुए में राष्ट्रीय को दो अंतरे तक सीमित कर दिया गया था। पूनावाला ने कहा, "यह वही मानसिकता दर्शाता है जिसके तहत (देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल) नेहरू ने वंदे मातरम् को दो अंतरे तक सीमित कर दिया था। जब इसे दो अंतरे तक सीमित किया गया था, तब भी कांग्रेस नेताओं को विरोध का सामना करना पड़ा था। आरिफ खस्रू, समाजवादी पार्टी के उच्च आजीम और अन्य नेताओं ने कहा था कि वे दो अंतरे भी स्वीकरी नहीं हैं।" पूनावाला ने आरोप लगाया कि कांग्रेस इस गीत का विरोध करने वाले वर्गों के दबाव के आगे अतीत में भी झुक गई थी और केरल में मुस्लिम लीग से अपने संबंधों के कारण वह अब भी ऐसा कर रही है।

असम के काजीरंगा में 'येलो थोटेट-मार्टन' की नई प्रजाति पाई गई



गुवाहाटी/भाषा। असम के काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में मार्टन की एक नई प्रजाति पाई गई है। राज्य सरकार ने मंगलवार को यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया पर जारी एक पोस्ट में कहा कि काजीरंगा में 'पीले गले वाला मार्टन' (येलो-थोटेट मार्टन) दिखाई देना असम के संरक्षण मॉडल की मजबूती को रेखांकित करता है। यहां के संरक्षित आवास अपनी समृद्ध जैव विविधता और वन्यजीवों के संरक्षण में निरंतर मदद करते हैं। येलो-थोटेट मार्टन नेवला प्रजाति का एक जीव है।

बयान में कहा गया है, मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व में असम संरक्षण की ऐसी सफलता की कहानियां लिख रहा है, जो न केवल प्राकृतिक दुश्मनों की रक्षा करती हैं बल्कि फूलते-फूलते पारिस्थितिकी तंत्र के पोषण तक विस्तृत हैं। काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान एवं बाघ अभयारण्य पूर्वोत्तर का सबसे बड़ा राष्ट्रीय उद्यान है, जहां प्रसिद्ध एक सींग वाले गैंडे को देखने के लिए बड़ी संख्या में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय पर्यटक आते हैं। यूनेस्को के विश्व धरोहर स्थल काजीरंगा पार्क को 1974 में राष्ट्रीय उद्यान घोषित किया गया था। इस उद्यान में दुनिया के एक सींग वाले गैंडों की सबसे बड़ी आबादी निवास करती है। यह बाघ, हाथी, तेंदु और भालू सहित कई स्तनधारियों तथा हजारों पक्षियों का बसेरा भी है।

पश्चिम बंगाल के माथामंगा में ग्रामीणों को लौटाई जा रही 'कट मनी'

माथामंगा (पश्चिम बंगाल)/भाषा। कूच बिहार जिले के माथामंगा में कई लोगों को यह 'कट मनी' वापस मिल गई है जो उन्होंने पिछली टीएमसी सरकार के दौरान सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने के लिए स्थानीय गुंडों को दी थी। जिले के तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेतृत्व ने कहा कि पार्टी का ग्रामीणों या व्यापारियों से इस तरह की अवैध रूप से धन वसूली से कोई लेना-देना नहीं है। राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सत्ता में आने के बाद माथामंगा के विभिन्न इलाकों में टीएमसी समर्थित स्थानीय दलों द्वारा कथित तौर पर ली गई 'कट मनी' को वापस करने की मांग तेज हो गई। बताया जाता है कि दबाव बढ़ने पर संबंधित लोगों ने कुछ राशि लौटाई भी।

स्थानीय लोगों के मुताबिक, माथामंगा के सुभाषपल्ली इलाके में आवास योजना के लाभार्थियों को उनसे लिया गया कमीशन वापस कर दिया गया है। भाजपा के एक स्थानीय नेता ने बताया, "सोमवार को पैसे वापस मिलने के बाद उनमें से कुछ ने स्थानीय मंदिर में पूजा-अर्चना की।"

राबड़ी देवी बंगला मामले पर सकाट चौधरी राजशाही नहीं है, मां को एक और बेटे को दूसरा घर चाहिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शेखपुरा/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री सकाट चौधरी ने मंगलवार को राज्य की मुख्य विपक्षी पार्टी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) पर परोक्ष रूप से निशाना साधा जो उस सरकारी बंगले को एक मंत्री को आवंटित किए जाने को लेकर नाराजगी जता रही है जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी रह रही थीं। चौधरी ने विपक्षी दल या उसके नेताओं का नाम लिए बिना इस विवाद का उल्लेख करते हुए कहा, "यह राजशाही नहीं है... मां को एक घर चाहिए और बेटे को दूसरा घर चाहिए।" मुख्यमंत्री शेखपुरा में आयोजित 'सहयोग शिविर' को संबोधित कर रहे थे। राज्य सरकार ने विभिन्न विभागों से संबंधित लोगों की शिकायतों के त्वरित निस्तारण के लिए हाल ही में इस पहल की शुरुआत की है।



हैं और उन्होंने विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष के रूप में आवंटित 39, हार्डिंग जमीन आवस में अब तक स्थानांतरण नहीं किया है। वहीं, उनके पुत्र एवं विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव एक, पोले रोड स्थित आवास में रह रहे हैं। चौधरी ने कहा, "मैं पिछले कई वर्षों से किसी सरकारी बंगले में नहीं रहा हूँ। मैं अपने निजी घर में रहता हूँ।" उन्होंने दावा किया कि मुख्यमंत्री पद संभालने के बाद वह एक, अंगे मार्ग स्थित मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास में केवल पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के आग्रह पर काम करने के लिए गए। इसे उनकी सरकार ने 'लोक सेवक भवन' नाम दिया है।

नदिया में 'लक्ष्मी भंडार' सूची में मिले 173 पुरुषों के नाम, जांच के आदेश दिए गए : जिलाधिकारी

कुशीनगर/भाषा। पश्चिम बंगाल के नदिया जिला प्रशासन ने धुबुलिया इलाके में महिलाओं के लिए चलाई जा रही 'लक्ष्मी भंडार' योजना की लाभार्थी सूची में 173 पुरुषों के नाम पाए जाने के बाद जांच शुरू की है। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

जिलाधिकारी शीकांत पल्ली ने बताया कि इन नामों को सूची से हटा दिया गया है। लक्ष्मी भंडार योजना के तहत पुरुषों को सूची में शामिल कुल राशि की जांच के संवाददाताओं से कहा, नदिया जिले के धुबुलिया इलाके में लक्ष्मी

भंडार सूची में कम से कम 173 पुरुषों के नाम पाए गए थे। इन नामों को हटा दिया गया है और जांच शुरू कर दी गई है। एक अधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला कि कथित तौर पर 173 लक्ष्मी भंडार खाते बनाए गए और इस साल फरवरी से उनसे पैसे निकाले गए। उन्होंने कहा कि इस हटाया गया है। लक्ष्मी भंडार योजना के तहत पुरुषों को सूची में शामिल कुल राशि की जांच के संवाददाताओं से कहा, नदिया जिले के धुबुलिया इलाके में लक्ष्मी

भंडार सूची में कम से कम 173 पुरुषों के नाम पाए गए थे। इन नामों को हटा दिया गया है और जांच शुरू कर दी गई है। एक अधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला कि कथित तौर पर 173 लक्ष्मी भंडार खाते बनाए गए और इस साल फरवरी से उनसे पैसे निकाले गए। उन्होंने कहा कि इस हटाया गया है। लक्ष्मी भंडार योजना के तहत पुरुषों को सूची में शामिल कुल राशि की जांच के संवाददाताओं से कहा, नदिया जिले के धुबुलिया इलाके में लक्ष्मी

भारत महिला टी20 विश्व कप में प्रबल दावेदार : अंजुम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। पूर्व कप्तान अंजुम चोपड़ा का मानना है कि अब इंग्लैंड की परिस्थितियां किसी तरह से अपरिचित नहीं हैं और भारतीय महिला टीम टी20 विश्व कप में खिताब के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगी। भारतीय टीम 14 जून को बर्मिंघम में अपने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी।

चोपड़ा ने पीटीआई से कहा, "इंग्लैंड की परिस्थितियां अपरिचित नहीं हैं। भारतीय टीम में से कुछ या अधिकतर खिलाड़ी पहले भी यहां खेल चुके हैं। कम से कम वर्तमान टीम के प्रमुख खिलाड़ियों को यहां खेलने का



अच्छा अनुभव है।" उन्होंने कहा, "'नंदिनी' (शर्मा) की बात करें तो वह वहां रहती हैं। श्री चरणो का अपने संक्षिप्त करियर में पिछले 12 महीने में यह इंग्लैंड का दूसरा दौरा है।" चोपड़ा ने कहा, "भेरे लिए भारत प्रबल दावेदार है। निश्चित तौर पर भारतीय टीम को शीर्ष चार में ही नहीं बल्कि शीर्ष दो और फिर शीर्ष पर देखना चाहती हूँ।" भारत के लिए टूर्नामेंट से पहले कुछ सकारात्मक पहलू रहे हैं। इनमें विकेटकीपर-बल्लेबाज यस्तिका भाटिया का चोट से उबरने के बाद वापसी करना भी शामिल है। बाएं हाथ



की इस बल्लेबाज ने वापसी करते ही तुरंत प्रभाव छोड़ा और इंग्लैंड के खिलाफ पहले अंतरराष्ट्रीय मैच में 40 गेंदों में 54 रन की शानदार पारी खेली। इस मैच में कप्तान हरमनप्रीत कौर को आराम दिया गया था। यस्तिका ने इस तरह से तीसरे नंबर पर अपना मजबूत दावा पेश कर दिया है। जेमिमा रोड्रिग्स को बल्लेबाजी क्रम में नीचे भेजा गया है। ऐसे में चोपड़ा का मानना है कि भारतीय टीम प्रबंधन को अपनी बल्लेबाजी लाइन-अप में अधिक लचीलापन अपनाने की जरूरत हो सकती है। उन्होंने कहा, "यह बहुत

अच्छा है कि वह (यस्तिका) रन बना रही है और उसने पहले टी20 में रन बनाए। हालांकि दूसरे मैच में वह लंबी पारी खेलने से चूक गईं। लेकिन इससे यह भी पता चलता है कि यह केवल जेमी, हरमन और यस्तिका के बीच संतुलन बनाने की बात नहीं है।" चोपड़ा ने कहा, "मुझे लगता है कि भारतीय टीम को बल्लेबाजी क्रम में लचीलापन लाने के लिए थोड़ा और खुला दृष्टिकोण अपनाना होगा।" भारत को विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, पाक, बांग्लादेश और नीदरलैंड के साथ एक ग्रुप में रखा गया है, जिसमें से शीर्ष पर रहने वाली दो टीम ही सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। चोपड़ा ने कहा, "पाकिस्तान अभी अच्छी क्रिकेट खेल रहा है और भारत को यह पता नहीं है कि नीदरलैंड की टीम कैसा प्रदर्शन करेगी।"

आईसीसी का निलंबन अप्रत्याशित, लेकिन सुधारात्मक कदम जारी: क्रिकेट कनाडा

टोरंटो/भाषा। क्रिकेट कनाडा ने कहा है कि उसकी सदस्यता निलंबित करने का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) का फैसला अप्रत्याशित था लेकिन संस्था ने वैश्विक क्रिकेट संस्था द्वारा बताई गए संचालन और वित्तीय कर्मियों को दूर करने के लिए व्यापक सुधारनात्मक कदम शुरू कर दिए हैं। आईसीसी ने रविवार को अहमदाबाद में हुई अपनी बोर्ड बैठक में क्रिकेट कनाडा की सदस्यता तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दी। आईसीसी के अनुसार यह कार्रवाई सदस्यता संबंधी दायित्वों के 'गंभीर उल्लंघनों' के कारण की गई। हालांकि



विश्व क्रिकेट संस्था ने स्पष्ट किया कि खिलाड़ियों के हितों की रक्षा के लिए कनाडा की राष्ट्रीय टीम में आईसीसी प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए पात्र नहीं रहेगी। इस निर्णय पर प्रतिक्रिया देते हुए क्रिकेट कनाडा ने कहा कि वह आईसीसी के फैसले का सम्मान करता है और सभी अनुपालन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। क्रिकेट कनाडा ने 'स्पोर्ट्सनेट' को दिए बयान में कहा, "यह निलंबन अप्रत्याशित था। फिर भी, क्रिकेट कनाडा आईसीसी के फैसले का सम्मान करता है और सभी अनुपालन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।"

दक्षिण भारत राष्ट्रमत



उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले के वृंदावन में मंगलवार को आध्यात्मिक गुरु प्रेमानंद महाराज के आश्रम में दर्शन के लिए पहुंचे क्रिकेट विराट कोहली और उनकी पत्नी व अभिनेत्री अनुष्का शर्मा।

अब एआई से सीखिए योग, 2.80 लाख तस्वीरों के बूते उन्नत मॉडल तैयार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर। कृत्रिम मेधा (एआई) अब किसी प्रशिक्षक की तरह योग की सही और गलत मुद्राओं के बीच का फर्क पहचान सकती है। अनुसंधानकर्ताओं ने 'योग एआई कोच' नाम का एआई मॉडल विकसित किया है। करीब 2.80 लाख तस्वीरों के आधार पर तैयार मॉडल सूर्य नमस्कार समेत योग की 104 प्रकार की मुद्राओं का वास्तविक समय में विश्लेषण कर सकता है। अधिकारियों ने बताया कि यह मॉडल इंदौर के 'श्री जीएस इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस' (एसजीएसआईटीएस) की अनुसंधान परियोजना के तहत विकसित किया गया है। उन्होंने बताया कि सरकारी क्षेत्र के इस संस्थान की नवाचारी परियोजना को मध्यप्रदेश विज्ञान एवं

प्रौद्योगिकी परिषद (एस्पपीसीएसटी) की ओर से 7.10 लाख रुपये के अनुदान की मंजूरी भी मिली है। परियोजना के प्रधान अन्वेषक ललित पुरोहित ने मंगलवार को 'पीटीआई-भाषा' को बताया, दुनिया भर में बहुत से लोग योग करना चाहते हैं, लेकिन उन्हें इसकी सही मुद्राओं की जानकारी नहीं होती। हमारा विकसित एआई मॉडल लोगों की योग मुद्राओं की गलती वास्तविक समय में पकड़ता है और इनमें सुधार के सुझाव भी देता है। उन्होंने बताया कि एआई मॉडल को करीब 2.80 लाख तस्वीरों के आधार पर प्रशिक्षित किया गया है और फिलहाल यह 104 तरह की योग मुद्राओं की पहचान कर सकता है जिनमें सूर्य नमस्कार शामिल है। परियोजना के प्रधान अन्वेषक उपेंद्र सिंह ने बताया कि 'योग एआई कोच' को तैयार करने में एजेंटिक एआई, डीप

लर्निंग, मशीन लर्निंग, कंप्यूटर विज्ञान तकनीकों का इस्तेमाल किया गया है। उन्होंने कहा कि एआई मॉडल को तैयार करते वक योगाभ्यास के दौरान शरीर के कोणों की सटीकता पर विशेष ध्यान दिया गया है। मसलन योग की किसी मुद्रा में साधक के दोनों हाथ एक तय कोण पर होने चाहिए, तो यह मॉडल योगाभ्यास के दौरान इस कोण की मामूली गड़बड़ी भी पकड़ सकता है। सिंह ने बताया कि यह प्रणाली भीड़ की संख्या, पुरुष और महिला प्रतिभागियों की गणना, प्रतिभागियों के चेहरे के भावों का वास्तविक समय में विश्लेषण और योगाभ्यास के दौरान साधकों के प्रदर्शन के अंक भी तय कर सकती है। भविष्य में हार्डवेयर और रक-रखाव के लिए आवश्यक वित्तीय सहायता उपलब्ध होने पर इस एआई मॉडल को लोगों के लिए निःशुल्क उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा।

ऊंची कमाई की वजह से लीची की खेती की ओर आकर्षित हो रहा है जम्मू का किसान

जम्मू/जम्मू क्षेत्र के किसान अधिक गहन पौधरोपण (एचडीपी) कार्यक्रम के तहत लीची की खेती की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं। वे बेहतर पैदावार और जमीन के एक कनाल (लगभग 0.125 एकड़) से सालाना लगभग 24,000 से 30,000 रुपये की कमाई को लेकर आकर्षित हो रहे हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने अगले कुछ साल में उत्पादकता और किसानों की आय बढ़ाने के लिए 3,200 कनाल से ज्यादा पारंपरिक लीची के बागों को अधिक-घनत्व वाले बागान में बदलने का लक्ष्य रखा है। जम्मू के बागवानी निदेशक गुल सैयद ने पीटीआई-भाषा को बताया, इस क्षेत्र के किसान

एचडीपी कार्यक्रम के तहत लीची की खेती की ओर तेजी से अग्रसर हो रहे हैं। किसान जमीन के एक कनाल से सालाना लगभग 24,000 से 30,000 रुपये की आय कमा सकते हैं। मुनाफे के अलावा, लीची का पोषण मूल्य भी काफी ज्यादा है। अधिकारियों ने बताया कि जम्मू शहर के बाहरी इलाकों में बड़े-बड़े खेतों में कई किसानों ने लीची की खेती शुरू कर दी है। सैयद ने कहा कि प्रशासन किसानों को हर जरूरी मदद देगा, जिसमें लीची और दूसरे फलों के विपणन में मदद भी शामिल है। उन्होंने कहा कि उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने उन प्रगतिशील किसानों की भूमिका की तारीफ की है।

प्रियंका मोहन कोरिया पर्यटन की मानद राजदूत नियुक्त

मुंबई/एजेन्सी

कोरियाई सरकार और कोरिया पर्यटन सचिव ने लोकप्रिय अभिनेत्री प्रियंका अरुण मोहन को कोरिया पर्यटन के लिए मानद राजदूत नियुक्त किया है। प्रियंका ने निर्देशक रा कार्तिक की हाल ही में रिलीज हुई तमिल फिल्म 'मेड इन कोरिया' में मुख्य भूमिका निभाई थी। इस सम्मान के लिए आभार व्यक्त करने के लिए अपने इंस्टाग्राम पेज पर प्रियंका ने लिखा, इस शानदार सम्मान के लिए मैं बेहद आभारी हूँ। कोरिया टूरिज्म के लिए 'मानद राजदूत' नियुक्त होना मेरे लिए सचमुच बहुत खास है। मैं कोरियाई सरकार और कोरिया टूरिज्म ऑर्गनाइजेशन की तहे दिल से शुक्रगुजार हूँ कि उन्होंने मुझे ऐसे व्यक्ति के तौर पर पहचाना जो कोरियाई संस्कृति को भारतीय दर्शकों के और करीब लाने में मदद कर सकता है। उन्होंने आगे कहा, कोरिया की संस्कृति, परंपराओं और यहां के लोगों के प्यार ने मुझे हमेशा प्रेरित किया है। मैं इस खूबसूरत सफर का हिस्सा बनकर बहुत खुश हूँ। कोरिया टूरिज्म ऑर्गनाइजेशन के प्रेसिडेंट को उनके भरोसे, दयालुता और गर्मजोशी रहे स्वागत के लिए दिल से धन्यवाद। आगे आने वाली हर चीज का मुझे बेसब्री से इंतजार है।



भोजन करने का अवसर मिलने पर गहरा गर्व महसूस हुआ। राष्ट्रपति भवन में हुए डिन्नर की अपनी तरफ से प्रियंका ने लिखा, इस इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते हुए उन्होंने लिखा था, राष्ट्रपति भवन में एक बेहद शानदार शाम। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा आयोजित डिन्नर में शामिल होकर मैं सम्मानित महसूस कर रही हूँ, जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे-म्युंग की उपस्थिति थी।

उन्होंने आगे कहा, इतनी जानी-मानी हस्तियों के बीच होने और उनसे बातचीत करने का मौका मिलने के लिए मैं सचमुच आभारी हूँ। इतने सम्मानित नेताओं के साथ बैठकर भोजन करने का अवसर मिलना मेरे लिए बहुत बड़े सम्मान की बात है। हमारी फिल्म 'मेड इन कोरिया' की उनकी तारीफ से मैं अभिभूत हूँ। शशि थरुर से मिलना और उनके साथ एक सार्थक बातचीत करना बहुत ही शानदार अनुभव रहा। नेताओं से मिलने और उनके साथ समय बिताने के अपने अनुभव का जिक्र करते हुए उन्होंने

लिखा, मेरे अंदर की छोटी बच्ची को आज उपलब्धि का गहरा एहसास हो रहा है। यह एक ऐसा पल है जो बरसों के सपनों, कड़ी मेहनत और विश्वास को खामोशी से बर्बाद करता है। ऐसे पल मुझे याद दिलाते हैं कि हम जो करते हैं, वह क्यों करते हैं, कहानी सुनाना, जो अलग-अलग संस्कृतियों को आपस में जोड़ता है। यह एक ऐसी याद है जिसे मैं हमेशा सहेजकर रखूंगी। उन्होंने 'मेड इन कोरिया' की टीम को धन्यवाद देते हुए अपनी पोस्ट खत्म की और कहा, इस सफर को इतना खास बनाने के लिए 'मेड इन कोरिया' की पूरी टीम का दिल से शुक्रिया। बता दें कि 'मेड इन कोरिया', जिसमें प्रियंका अरुण मोहन मुख्य भूमिका में हैं, 12 मार्च को सीधे ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी। दिलचस्प बात यह है कि इस फिल्म का एक बड़ा हिस्सा कोरिया में शूट किया गया था, और यह प्रियंका अरुण मोहन का पहला ऐसा प्रोजेक्ट है जिसमें उन्हें इंटरनेशनल सितारों के साथ काम करने का मौका मिला।

वर्क प्लेस पर कामकाजी मांओं के लिए क्यों नहीं हैं बच्चों के कमरे : कंगना रनौत

मुंबई/एजेन्सी

आज के दौर में महिलाओं की भागीदारी हर क्षेत्र में तेजी से बढ़ रही है, लेकिन चुनौती आज भी वही है परिवार और करियर के बीच संतुलन बनाने की। खासकर मां बनने के बाद कई महिलाओं के लिए नौकरी और बच्चों की जिम्मेदारी को साथ लेकर चलना आसान नहीं होता। इसी मुद्दे को लेकर अभिनेत्री और सांसद कंगना रनौत ने अपनी नई फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' के प्रमोशन के दौरान खुलकर बात की है। कंगना रनौत ने कहा कि अगर समाज और सरकार चाहते हैं कि महिलाएं बड़े पैमाने पर वर्कप्लेस पर सक्रिय रहें तो उन्हें बेहतर सुविधाएं और सहयोग भी दिया जाना चाहिए। कंगना ने शूटिंग के दिनों को याद करते हुए कहा, मेरी को रेंटा रिमोटा तांबे की बेटियां अक्सर सेट पर आया करती थीं। वहीं अभिनेता अक्षय का बच्चा भी कई बार शूटिंग सेट पर मौजूद रहता था। बच्चे शूटिंग के बीच खाली समय में एक-दूसरे के साथ खेलते थे और कलाकार अपने काम में व्यस्त

रहते थे। इन सबको देखकर मेरे मन में एक सवाल बार-बार उठता था कि आखिर काम की जगहों को इस तरह क्यों नहीं बनाया जाता? कामकाजी मांओं के लिए बच्चों के कमरे क्यों नहीं हैं? कंगना रनौत ने कहा, आजकल वर्कप्लेस पर कर्मचारियों के लिए कई तरह की सुविधाओं की बहती भागीदारी से भी जोड़ा बनाए जाते हैं तो कहीं अलग जरूरतों को ध्यान में रखकर खास इंतजाम किए जाते हैं, लेकिन बच्चों के लिए अलग कमरों या देखभाल की व्यवस्था बहुत कम देखने को मिलती है। जब महिलाओं को काम करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है, तो यह भी जरूरी है कि उनके बच्चों की जरूरतों को ध्यान में रखा जाए। यह केवल एक सुविधा नहीं, बल्कि एक आवश्यक व्यवस्था होनी चाहिए। अभिनेत्री ने कहा, महिलाओं को वर्कप्लेस पर लाने और उन्हें लंबे समय तक काम से जुड़े रहने के लिए केवल नीतियां बनाना काफी नहीं है। इसके साथ ऐसी सुविधाएं भी जरूरी हैं जो उनके जीवन को



आसान बना सकें। एक मां अपने बच्चे की चिंता से पूरी तरह मुक्त नहीं हो सकती। अगर कार्यस्थल पर बच्चों के लिए सुरक्षित जगह हो, तो महिलाएं ज्यादा आत्मविश्वास और सुकून के साथ अपना काम कर पाएंगी। कंगना रनौत ने इस विषय को सरकार की सोच और महिलाओं की बढ़ती भागीदारी से भी जोड़ा। उन्होंने कहा, देश में महिलाओं को आगे बढ़ाने और उन्हें हर क्षेत्र में शामिल करने की कोशिश की जा रही है। यह एक सराहनीय कदम है, लेकिन इसके साथ आने वाली चुनौतियों को भी समझना होगा। जब बच्ची संख्या में महिलाएं वर्कप्लेस में आएंगी, तब बच्चों की देखभाल

और पारिवारिक जिम्मेदारियों का सवाल और ज्यादा महत्वपूर्ण हो जाएगा। अपने बचपन में कंगना ने कहा, आज कई महिलाओं के सामने ऐसी स्थिति आ जाती है, जहां उन्हें परिवार और करियर में से किसी एक को प्राथमिकता देनी पड़ती है। कई बार उचित सहयोग न मिलने के कारण महिलाएं अपने पेशेवर सपनों से समझौता कर लेती हैं। अगर समाज सच में महिलाओं को हर क्षेत्र में आगे बढ़ते देखना चाहता है तो उन्हें मजबूत सहायता व्यवस्था देनी होगी। केवल महिलाओं से उम्मीद करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनके लिए अनुकूल माहौल तैयार करना भी उतना ही जरूरी है। कंगना रनौत का मानना है कि आने वाले समय में यह मुद्दा और बड़ा होने वाला है। जैसे-जैसे ज्यादा महिलाएं नेतृत्व की भूमिकाओं में आएंगी और विभिन्न क्षेत्रों में अपनी पहचान बनाएंगी, वैसे-वैसे बच्चों की देखभाल से जुड़ी सुविधाओं की जरूरत भी बढ़ेगी। इस विषय पर गर्मजोशी बर्बाद होनी चाहिए ताकि भविष्य में महिलाओं को करियर और परिवार के बीच कठिन चुनाव न करना पड़े।

दीप प्रज्वलित



पटना में मंगलवार को गन्ना उद्योग विभाग और वसंतदादा शुगर इंस्टीट्यूट, पुणे के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के दौरान पारंपरिक दीप प्रज्वलित करते बिहार के गन्ना उद्योग मंत्री संजय कुमार।

दर्शकों को खास नजरिए से देखती हैं जान्हवी कपूर

नई दिल्ली/एजेन्सी

अभिनेत्री जान्हवी कपूर की फिल्म 'पेंड्री' सिनेमाघरों में रिलीज को तैयार है। फिल्म के प्रमोशन में व्यस्त अभिनेत्री को उम्मीद है कि दर्शक उन्हें और उनकी फिल्म को वैसा ही प्यार देंगे, जैसा हमेशा देते आए हैं। उन्होंने यह भी बताया कि व दर्शकों को खास नजरिए से देखती हैं। फिल्म 'पेंड्री' की रिलीज से पहले उन्होंने कहा कि ईमानदारी और मेहनत से बनी फिल्म सही लोगों तक जरूर पहुंचती है। उन्होंने दर्शकों की राय को बेहद महत्वपूर्ण बताया और कहा कि कलाकारों को उनकी फीडबैक से सीखना चाहिए। साल 2018 में फिल्म 'धड़क' से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली जान्हवी कपूर ने से बातचीत में कहा, मुझे लगता है कि फिल्म बनाना एक तरह का सेवा कार्य है। हम दर्शकों को मनोरंजन देने के लिए फिल्में बनाते हैं। अगर फिल्म अच्छे इरादे, कड़ी मेहनत और ईमानदारी से बनाई जाए तो वह उन लोगों तक पहुंचती है, जहां पहुंचनी चाहिए। जान्हवी ने सोशल मीडिया पर फिल्म रिलीज से पहले ही नकारात्मक टिप्पणियां करने वाले



लोगों का जिक्र करते हुए कहा कि लोग जल्दी जज कर लेते हैं, लेकिन उनकी राय को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उन्होंने जोर देकर कहा, दर्शक ईश्वर की तरह हैं और हम उनकी सेवा या बेहतर करने की कोशिश कर रहे हैं। उनकी हर राय का स्वागत है। अगर इससे हमें बेहतर काम करने में मदद मिले तो हम सब कुछ स्वीकार करेंगे। अभिनेत्री ने यह भी बताया कि फिल्मों के प्रति उनका नजरिया पूरी तरह सकारात्मक है। वह मानती हैं कि दर्शकों की भावनाओं को समझना और उनका सम्मान करना हर कलाकार की जिम्मेदारी है। बुबी बाबू सना के निर्देशन में बनी तेलुगु फिल्म 'पेंड्री' 4 जून को थिएटर में रिलीज होगी। इसमें जान्हवी के साथ राम चरण, बोमन ईरानी, शिवा राजकुमार, जगपति बाबू और दिव्येंद्र अहम भूमिकाओं में हैं।

जायजा



दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता मंगलवार को नई दिल्ली के बुराड़ी में औचक निरीक्षण के दौरान जिला परिवहन कार्यालय, वाहन निरीक्षण इकाई, वाहन प्रशिक्षण संस्थान और रचवाचित परीक्षण स्टेशन का जायजा लेती हुई।

माई ने मेरा हाथ थामकर साथ में डांस किया था : दिव्या दत्ता

मुंबई/एजेन्सी



अभिनेत्री दिव्या दत्ता ने भारतीय सिनेमा में अपने बहुमुखी अभिनय से दर्शकों के दिलों पर अभिप्रेम छोड़ी है। उन्हें वर्ष 2018 में फिल्म 'इरादा' के लिए सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री का राष्ट्रीय पुरस्कार मिला था। सोमवार को अभिनेत्री ने इस खास पल को याद करते हुए एक भावुक पोस्ट साझा की। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया। इस वीडियो में वह नई दिल्ली के विज्ञान भवन में पुरस्कार प्राप्त करती नजर आ रही हैं। साथ ही, वीडियो में फिल्म 'इरादा' में उनके द्वारा निभाए गए पंजाब की मुख्यमंत्री के किरदार की कुछ झलकियां भी शामिल हैं। अभिनेत्री ने पुराने दिनों को याद करते हुए लिखा, यह पल मेरे लिए बहुत खास था। फिल्म 'इरादा' के लिए मिला मेरा पहला राष्ट्रीय पुरस्कार आज भी यादगार है। मुझे याद है कि उस खुशी के मौके पर मेरे माई ने मेरा हाथ थामकर मेरे साथ डांस किया था। अभिनेत्री ने बताया कि इस फिल्म ने उन्हें अपनी मां के निधन के गम से उबरने में काफी मदद की थी। उन्होंने उस दौर को याद करते हुए लिखा, 'इरादा' वह पहली फिल्म थी, जिसकी शूटिंग मैंने मां के जाने के बाद की थी। उस समय में भावनात्मक रूप से काफी टूट चुकी थी, लेकिन इस फिल्म ने मुझे उस मुश्किल दौर से बाहर निकलने में बहुत मदद की। इन यादों को साझा करने के लिए दिव्या संचारिका का दिल से धन्यवाद। अभिनेत्री दिव्या दत्ता को वर्ष 2018 में 65वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में फिल्म 'इरादा' के लिए सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री का राष्ट्रीय पुरस्कार मिला था। उन्हें यह प्रतिष्ठित सम्मान फिल्म में उनके प्रभावशाली अभिनय के लिए प्रदान किया गया था। फिल्म 'इरादा' में दिव्या दत्ता ने पंजाब की मुख्यमंत्री का किरदार निभाया था। उनके साथ फिल्म में नसीरुद्दीन शाह, अरशद वारसी जैसे मंजे हुए कलाकार भी प्रमुख भूमिकाओं में थे। यह उनके करियर का पहला राष्ट्रीय पुरस्कार था।

मां के साथ ज्यादा समय नहीं बिता पाने का रश्मि देसाई को दुख, बोली- 'मुझे अपराधबोध होता है'

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री रश्मि देसाई हाल ही में राजीव खंडेलवाल के रियलिटी टीवी शो 'तुम हो ना - घर की सुपरस्टार' में अपनी मां रसीला देसाई के साथ नजर आईं। इस दौरान रश्मि ने मां-बेटी के रिश्ते और परिवार को समय न देने पर बात की। शो में बातचीत के दौरान रश्मि ने स्वीकार किया कि व्यस्त पेशेवर जिंदगी के कारण वह अपनी मां के साथ पर्याप्त समय नहीं बिता पातीं और इसे लेकर उन्हें अपराधबोध महसूस होता है। होस्ट राजीव खंडेलवाल ने रश्मि की मां से पूछा कि क्या उनकी बेटी घर में भी उतने ही नखरे करती हैं, जितना लोग अक्सर कलाकारों के बारे में सोचते हैं। इस पर रसीला देसाई ने मुस्कुराते हुए कहा कि रश्मि आमतौर पर ज्यादा नखरे नहीं करतीं, हालांकि कभी-कभी ऐसा हो

जाता है। रसीला ने बताया कि काम की व्यस्तता के कारण रश्मि का ज्यादातर समय घर से बाहर ही गुजरता है। उन्होंने कहा कि एक समय ऐसा भी था जब दोनों अपने-अपने काम में इतने व्यस्त रहते थे कि बातचीत के लिए भी मुश्किल से समय मिल पाता था। अब रियलिटी शो के बाद वह चाहती हैं कि बेटी उनके साथ अधिक समय बिताने, ताकि दोनों बैठकर खुलकर बातें कर सकें। मां की यह बात सुनकर रश्मि भावुक हो गईं। उन्होंने कहा कि उन्हें इस बात का एहसास है कि वह अपनी मां को पर्याप्त समय नहीं दे पा रही हैं। अभिनेत्री ने माना कि यह बात उन्हें अंदर ही अंदर परेशान करती है और इसके लिए वह खुद को दोषी भी मानती हैं। रश्मि ने कहा कि उनके जीवन की सबसे बड़ी सीख उनकी मां से ही मिली है। उन्होंने बचपन से अपनी मां को लगातार मेहनत करते देखा है। रसीला देसाई काम नींद में भी पूरी समर्पण के साथ काम

करती थीं और अपने लक्ष्य पर केंद्रित रहती थीं। यही वजह है कि काम के प्रति वही अनुशासन और समर्पण रश्मि के स्वभाव का भी हिस्सा बन गया। अभिनेत्री ने बताया कि उन्होंने बहुत कम उम्र में काम करना शुरू कर दिया था। जब वह 16 साल की थीं और उनका बिताने, ताकि दोनों बैठकर खुलकर बातें कर सकें। मां की यह बात सुनकर रश्मि भावुक हो गईं। उन्होंने कहा कि उन्हें इस बात का एहसास है कि वह अपनी मां को पर्याप्त समय नहीं दे पा रही हैं। अभिनेत्री ने माना कि यह बात उन्हें अंदर ही अंदर परेशान करती है और इसके लिए वह खुद को दोषी भी मानती हैं। रश्मि ने कहा कि उनके जीवन की सबसे बड़ी सीख उनकी मां से ही मिली है। उन्होंने बचपन से अपनी मां को लगातार मेहनत करते देखा है। रसीला देसाई काम नींद में भी पूरी समर्पण के साथ काम

करती थीं और अपने लक्ष्य पर केंद्रित रहती थीं। यही वजह है कि काम के प्रति वही अनुशासन और समर्पण रश्मि के स्वभाव का भी हिस्सा बन गया। अभिनेत्री ने बताया कि उन्होंने बहुत कम उम्र में काम करना शुरू कर दिया था। जब वह 16 साल की थीं और उनका बिताने, ताकि दोनों बैठकर खुलकर बातें कर सकें। मां की यह बात सुनकर रश्मि भावुक हो गईं। उन्होंने कहा कि उन्हें इस बात का एहसास है कि वह अपनी मां को पर्याप्त समय नहीं दे पा रही हैं। अभिनेत्री ने माना कि यह बात उन्हें अंदर ही अंदर परेशान करती है और इसके लिए वह खुद को दोषी भी मानती हैं। रश्मि ने कहा कि उनके जीवन की सबसे बड़ी सीख उनकी मां से ही मिली है। उन्होंने बचपन से अपनी मां को लगातार मेहनत करते देखा है। रसीला देसाई काम नींद में भी पूरी समर्पण के साथ काम



करीबी गतिविधि में व्यस्त रहती हैं।

हृदय में प्रभु का वास हो जाए तो भक्त भी भगवान बन जाता है : आचार्य कुलबोधिसूरीश्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां पुरुषवाक्य स्थित पुरुषावनीय पार्थनाथ धैताम्बर मूर्तिपूजाक जैन संघ में मंगलवार प्रातः आचार्यश्री कुलबोधिसूरीश्वरजी म.सा. का मंगलमय पदार्पण हुआ। इस अवसर पर आयोजित धर्मसभा में आचार्यश्री ने माई फोर प्रेरणार्थ विषय पर प्रभावशाली प्रवचन देते हुए श्रद्धालुओं को जीवन को गुण, निर्मलता और मोक्षमार्ग की ओर उन्मुख करने का संदेश दिया। आचार्यश्री ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को प्रभु से चार प्राथनाएं करनी चाहिए— मेरे हृदय में प्रभु का वास हो, हृदय गुणों की सुवास से मद्धक, भवोभय प्रभु का सहवास मिले तथा आगामी भवों में मुक्तिपुरी में निवास प्राप्त हो। उन्होंने कहा कि जब प्रभु किसी



के हृदय में बस जाते हैं, तब वह केवल भक्त नहीं रहता, बल्कि भगवान के गुणों का प्रतिबिंब बन जाता है। उन्होंने कहा कि जीवन की दुष्टि केवल सफलता पर नहीं, बल्कि निर्मलता पर केंद्रित होनी चाहिए। शरीर का स्वस्थ होना सफलता है, किंतु तपस्या और आत्मशुद्धि निर्मलता है। रूप का मिला

सफलता है, जबकि शील और सद्गुणों की सुगंध प्राप्त होना निर्मलता है। सच्चे हृदय से की गई प्राथना अवश्य फलित होती है और हृदय की निर्मलता इस बात का संकेत है कि प्रभु का वास भीतर स्थापित हो चुका है। आचार्यश्री ने कहा कि आज समाज में धनवान व्यक्ति का पुण्य

आकर्षित करता है, किंतु धर्मात्मा के गुण आकर्षण का केंद्र नहीं बन पाते। जबकि आध्यात्मिक जगत का सूर्य है गुणी परिवार, सुखी परिवार। परिवार में जितने अधिक गुण होंगे, उतना ही अधिक सुख और शांति का वातावरण निर्मित होगा। उन्होंने धर्मभावना के महत्व पर बल देते हुए कहा कि यदि प्रत्येक व्यक्ति

प्रतिदिन कम से कम एक व्यक्ति को धर्ममार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करने का संकल्प ले, तो भवोभय प्रभु के शासन और धर्म का साथ प्राप्त करना कठिन नहीं रहेगा। धर्म की प्राप्ति केवल स्वयं के परिवर्तन तक सीमित नहीं, बल्कि समाज के व्यापक कल्याण का माध्यम भी बनती है। मोक्ष की चर्चा करते हुए आचार्यश्री ने कहा कि सम्यक् प्राप्त आत्मा को मोक्ष के अतिरिक्त कुछ भी नहीं चाहिए होता। दुर्भाग्यवश अनेक लोगों की जिह्वा पर मोक्ष का नाम तो होता है, पर हृदय में उसकी वास्तविक चाह नहीं होती। जब तक भीतर राग, द्वेष और मोह विद्यमान हैं, तब तक मोक्ष की प्राप्ति संभव नहीं।

उन्होंने कहा कि जहां राग-द्वेष और मोह का क्षय होता है, वहीं मोक्ष के प्रति रुचि जागृत होती है। जिस वस्तु या विषय के प्रति मोह हो, उसका त्याग ही आत्मकल्याण का मार्ग है।



- राजस्थान कॉस्मो क्लब फाउंडेशन की सरहनीय पहल-

विद्यार्थियों को टी-शर्ट एवं यूनिफॉर्म का प्रायोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। राजस्थान कॉस्मो क्लब फाउंडेशन के अंतर्गत एक अत्यंत प्रशंसनीय एवं प्रेरणादायक पहल का संचालन किया गया, जिसके अंतर्गत एजी जैन हायर सेकेंडरी स्कूल साहूकारपेट के विद्यार्थियों तथा इसकी सहगामी संस्था एजी जैन नर्सरी एवं प्राइमरी विद्यालय के बच्चों को टी-शर्ट एवं यूनिफॉर्म का प्रायोजन (स्पोन्सरशिप) प्रदान किया गया। यह लोककल्याणकारी कार्य न केवल विद्यार्थियों के प्रति

संवेदनशीलता का परिचायक है, अपितु शिक्षा के क्षेत्र में समानता एवं प्रोत्साहन की भावना को भी सुदृढ़ करता है। इस पावन अवसर पर राजस्थान कॉस्मो क्लब फाउंडेशन के वर्तमान अध्यक्ष श्री गंभीर जी चोरड़िया, भूतपूर्व अध्यक्ष श्रीपाल कोठारी, प्रबंध न्यासी मनीष कुमार चौधरी, सचिव सुरेंद्र कोठारी एवं चेयरमैन दर्शन कोठारी आदि गणमान्य लोग उपस्थित थे। फाउंडेशन के सदस्यों ने इस अवसर पर विद्यालय के उन्नयन एवं संवर्धन हेतु समग्र रूप से सहायता की उदात्त घोषणा की। एस एस जैन एजुकेशनल सोसाइटी के अध्यक्ष पदमचंद चोरड़िया के मार्गदर्शन में विद्यालय ने अनेकौकल उपलब्धियां

अर्जित की एवं भविष्य में भी उत्तरोत्तर विकासोन्मुख है। विद्यालय के कोरस्पोंडेंट हनुमानचंद बोथरा, सचिव दलजीत सिंह ढडा एवं प्रबंध समिति के सम्मानित सदस्य गौतम चंद बोथरा ने फाउंडेशन की इस वात्सल्यमयी पहल की भूरि भूरि प्रशंसा करते हुए कहा कि इस प्रकार के सहयोगात्मक प्रयास ने केवल विद्यार्थियों के मनोबल को उन्नत करते हैं, बल्कि समाज में सहयोग एवं सेवा की भावना को भी प्रोत्साहित करते हैं। प्राचार्य डॉ जयश्री ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि ऐसे कृत्यों से समाज में एकसुरता एवं आत्मविश्वास का प्रवर्धन होता है।



सैदापेट जैन संघ द्वारा छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। श्री जैन संघ सैदापेट द्वारा आयोजित तृतीय छात्रवृत्ति वितरण कार्यक्रम सैदापेट के वर्धन संगम कल्याण मंडप में बड़े ही उत्साह और सफलता पूर्वक आयोजित कि गई। इस शुभ अवसर पर सैदापेट क्षेत्र के विद्यार्थक अरुण प्रकाशम, मनोहर कुमार सुराणा (कन्नकुरिवी) और आनंदकुमार मरलेछा (पल्लावरम शान्ति ज्वैलर्स) और मुख्य दानदाता महावीरचंद बोकाडिया शामिल हुए। संघ के अध्यक्ष कमल चंद्र छाजेड, सचिव हरीश चोरड़िया

कोषाध्यक्ष अरुण कुमार लोढ़ा ने शाल और माला से पधारे हुए अतिथियों का स्वागत किया। शिक्षा अध्यक्ष दीपक गुलेछा ने सभी अतिथियों का परिचय कराया और इस छात्रवृत्ति परियोजना के बारे में विस्तार से बताया जिसमें तीन सौ अधिक छात्रों को इस योजना के तहत फायदा मिला। संघ ने विशेष विद्यार्थी को उसकी प्रतिभा और उपलब्धि के लिये उन्हें सम्मानित किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि विधायक अरुण प्रकाशम ने अपने भाषण में शिक्षा की भूमिका और महत्वाता के बारे में जानकारी दी और अपने जीवन में शिक्षा की महत्वाता बताया। मनोहर कुमार ने

अपने भाषण में शिक्षा से होने वाले फायदे और मानवाता के बारे बताया। आनंद कुमार ने तमिल भाषा में भाषण देते हुए विद्यार्थियों को जीवन में शिक्षा से बढ़कर माता पिता गुरु देव की महिमा और उनके आशीर्वाद की शक्ति का प्रमाण दिया। उन्होंने तिरुक्कुरल ग्रंथ कि किरावें इच्छुक विद्यार्थियों और अतिथियों को भेंट किए। इस समारोह के दौरान सभी दानदाताओं का सम्मान स्मृति चिन्ह के साथ मुख्य अतिथि द्वारा किया गया। अशोक कुमार मुथा ने संचालन किया। इस कार्यक्रम में श्री जैन संघ के अन्य पदाधिकारी सुरेश मूथा, आनन्द छाजेड और संघ के पूर्व अध्यक्ष प्रकाश बोथरा सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

दो दिवसीय विशाल दंत, नेत्र एवं आर्थो हेल्थ कैम्प का आयोजन 6 से

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां माहेश्वरी सभा द्वारा 'शिवोहम महेश नवमी महामहोत्सव-2026' के अंतर्गत दो दिवसीय विशाल दंत, नेत्र एवं आर्थो हेल्थ कैम्प का आयोजन 6, 7 जून को किया जा रहा है। अन्नानगर स्थित एसआरकेके अस्पताल भवन में एक विशाल डेंटल, आई एवं आर्थो हेल्थ कैम्प का आयोजन में अनुभवी विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण, परामर्श एवं आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा। माहेश्वरी सभा अध्यक्ष गौरी शंकर राठी ने बताया कि महेश नवमी महोत्सव केवल धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज सेवा एवं जनकल्याण का एक सशक्त माध्यम भी है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए इस स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जा रहा है, ताकि समाज के सभी वर्गों के

लोग एवं आमजन विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श प्राप्त कर अपने स्वास्थ्य की जांच करा सकें। उन्होंने सभी समाजबंधुओं एवं नागरिकों से इस सेवा का अधिकाधिक लाभ उठाने का आग्रह किया। इस कैम्प के मुख्य अतिथि राजस्थानी एसोसिएशन के अध्यक्ष अजीत चौराड़िया होंगे। शिवोहम महोत्सव के चेयरमैन डॉ. अशोक जे. मूंडड़ा ने बताया कि शिवोहम महेश नवमी महा महोत्सव के 18 दिवसीय कार्यक्रमों की भव्य शुरुआत इसी स्वास्थ्य शिविर से होगी। शिविर का विधिवत उद्घाटन 6 जून को दोपहर 3:00 बजे किया जाएगा। उद्घाटन समारोह के पश्चात् प्रथम दिवस शिविर का संचालन दोपहर 3:30 बजे से रात्रि 9:00 बजे तक किया जाएगा, जबकि दूसरे दिवस 7 जून को प्रातः 9 बजे से सायं 6 बजे तक शिविर आयोजित रहेगा। पंजीकरण एवं जानकारी हेतु फोन नं. 9840076266 या 9940488877 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

'ब्रांड बेंगलूरु' को लेकर नेता प्रतिपक्ष अशोक ने शिवकुमार पर निशाना साधा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आर. अशोक ने बेंगलूरु की चरमराती बुनियादी सुविधाओं को लेकर नामित मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार पर मंगलवार को जोरदार हमला बोला और उनके 'ब्रांड बेंगलूरु' के बड़े सपने पर सवाल उठाए। अशोक ने कहा कि शहर के प्रति इस 'आपराधिक लापरवाही' के लिए पूरी तरह शिवकुमार जिम्मेदार हैं, जो सिद्धरामय्या सरकार में बेंगलूरु विकास के प्रभारी मंत्री थे। भाजपा नेता ने ग्रेटर बेंगलूरु प्राधिकरण (जीबीए) के 'एक किलोमीटर' अभियान पर भी निशाना साधा और इसे संवेदनहीन तथा मजाक करार दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे अभियान चलाने के बजाय पहले शहर के जर्जर और बदहाल बुनियादी ढांचे को दुरुस्त किया जाना चाहिए।



जीबीए ने नागरिकों से एक किलोमीटर पैदल चलने की अपील की थी, लेकिन जब लोगों ने चलने लायक फुटपाथ की मांग उठाई तो प्राधिकरण ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट हटा ली। अशोक ने एक्स पर पोस्ट लिखा, 'देखो हमारी आईटी राजधानी का क्या हाल हो गया है। एक हफ्ते की बारिश में बेंगलूरु की सड़कें जानलेवा हो गई हैं। हालत यह है कि लोगों के लिए यह समझना मुश्किल हो गया है कि सड़क कहाँ खत्म होती है और खुले तथा उफनते नाले कहाँ से शुरू होते हैं।' उन्होंने कहा, चिकपेट, के.आर. मार्केट और मासुलपेट से लेकर होरामावु, आउटर रिंग रोड और लवेल रोड तक, पूरा शहर मानो खतरनाक बाधाओं से भरे रास्ते में तब्दील हो गया है। एक ओर ग्रेटर बेंगलूरु अथॉरिटी (जीबीए) दिखावादी कवायदों और मौसमी नौटंकी में व्यस्त है, आम आदमी गंदे नाले के पानी से भरे गड्ढों से जान जोखिम में डालकर गुजर रहा है। अशोक ने कहा कि इस 'आपराधिक लापरवाही' के लिए सीधे तौर पर नामित मुख्यमंत्री शिवकुमार जिम्मेदार हैं। जिस शहर की रक्षा उन्हें करनी थी, उसे उन्होंने सत्ता की कुर्सी पाने की जोड़तोड़ में पूरी तरह भुला दिया। नेता प्रतिपक्ष ने तंज करते हुए पूछा, 'क्या यही है आपका 'ब्रांड बेंगलूरु' का बड़ा सपना, शिवकुमार जी? एक ऐसा शहर जहां कारोबार ठप हो, ट्रांसपोर्टर व्यावसायिक इलाकों में घुसने से मना कर दें और दोपहिया सवार रोज अपनी जान दांव पर लगाकर निकलें?' अशोक ने कहा कि टूटी सड़कें ठीक करने के बजाय शिवकुमार का प्रशासन एक 'किलोमीटर' जैसे हास्यास्पद सोशल मीडिया अभियान से नागरिकों का मजाक उड़ा रहा है।

अणुव्रत, जीवन विज्ञान के माध्यम से बनती नैतिक, चारित्रिक स्वस्थ जीवन शैली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। आर्य समाज फाउंडेशन द्वारा गोपालपुरम में डीएपी स्कूल में आयोजित सामाहिक रविवार सत्संग कार्यक्रम में अणुव्रत समिति के सहभागिता निभाते हुए अणुव्रत एवं जीवन विज्ञान विषयक प्रभावी प्रस्तुति दी। अणुव्रत समिति की अध्यक्ष सुमन्या लुणावत ने अणुव्रत आंदोलन की जानकारी देते हुए समिति को कार्यक्रम में आमंत्रित कर अपनी प्रस्तुति देने का अवसर प्रदान करने के लिए आर्य समाज फाउंडेशन के प्रति आभार व्यक्त किया। समिति के उपाध्यक्ष डॉ. दिलीप धींग ने अपनी व्यंग्यात्मक कविता प्रस्तुत की। जीवन विज्ञान प्रशिक्षक राकेश खांडेड ने जीवन विज्ञान (साइंस

ऑफ लिंगिंग), योग एवं ध्वनि के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बचपन से नियमित योग, महाप्राण ध्वनि एवं उंठ के अभ्यास से शरीर और मन को स्वस्थ, प्रसन्न एवं ऊर्जावान रखा जा सकता है। उन्होंने बताया कि यह जीवनशैली अनेक शारीरिक एवं मानसिक समस्याओं से बचाव में सहायक बनती है तथा बिना किसी दुष्प्रभाव के व्यक्ति को सक्रिय और सकारात्मक बनाए रखती है। कार्यक्रम का मंगलवाचरण अणुव्रत समिति के सदस्यों द्वारा अणुव्रत गीत के माध्यम से किया गया। समिति के परामर्शक गौतमचंद सैठिया ने अणुव्रत आचार संहिता के ग्यारह नियमों की जानकारी देते हुए कहा कि अणुव्रत एक असांप्रदायिक नैतिक आंदोलन है, जो व्यक्ति के नैतिक जागरण, चरित्र निर्माण एवं अहिंसक चेतनायुक्त जीवनशैली के

विकास पर बल देता है। स्कूल कमेटी मंत्री आचार्य विज्ञान आर्य ने अणुव्रत एवं जीवन विज्ञान के कार्यों की सराहना करते हुए भविष्य में भी संयुक्त रूप से विभिन्न जनजागरण कार्यक्रम आयोजित करने की इच्छा व्यक्त की। संयुक्त कार्यक्रम सूत्रधार श्रद्धा अर्गल ने संचालन किया। आर्य समाज फाउंडेशन की ओर से अणुव्रत समिति के प्रतिनिधियों का दुपट्टा, साहित्य एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में आर्य समाज द्वारा वैदिक परंपरा के अनुसार हवन का आयोजन भी किया गया। इस कार्यक्रम में अणुव्रत समिति का पुर्व अध्यक्ष सम्पतराज चोरड़िया, उपाध्यक्ष स्वयं चन्द्र दौती, मंत्री कुशल बाँडिया, मंजू गेलडा सहित अनेक अणुव्रत कार्यकर्ता उपस्थित थे।



मुनि पुलकितकुमार के दर्शनार्थ पहुँचा अणुव्रत समिति का प्रतिनिधिमंडल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/वालाजाबाद। आचार्यश्री महाश्रमणजी के शिष्य मुनिश्री पुलकितकुमारजी एवं मुनिश्री आदित्यकुमारजी के सांनिध्य में अणुव्रत समिति, चेन्नई के प्रतिनिधिमंडल ने वालाजाबाद पहुँचकर दर्शन, सेवा एवं उपासना का लाभ प्राप्त किया। समिति अध्यक्ष सुभद्रा लुणावत ने चेन्नई अणुव्रत समिति द्वारा संचालित विविध गतिविधियों एवं कार्यक्रमों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने विशेष रूप से 10 मई को आयोजित 'स्वस्थ समाज निर्माण' में सामाजिक

संस्थाओं की भूमिका' विषयक संगोष्ठी की विस्तृत जानकारी दी। इस संगोष्ठी में महानगर की सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक एवं शैक्षणिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने सहभागिता कर समाज निर्माण में अपनी भूमिका पर सार्थक विचार-विमर्श किया था। इस अवसर पर मुनिश्री पुलकितकुमारजी ने कहा कि अणुव्रत एक ऐसा जन-जागरण अभियान है, जिसके माध्यम से समाज के प्रत्येक वर्ग और नागरिक तक सहजता से पहुँचा जा सकता है। यह एक असंप्रदायिक आंदोलन है, जो व्यक्ति के नैतिक जागरण, चारित्रिक विकास एवं जीवन-मूल्यों के संवर्धन पर विशेष बल

देता है। उन्होंने चेन्नई अणुव्रत समिति द्वारा तमिलनाडु में किए जा रहे रचनात्मक एवं प्रभावी कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि गुरुदेव की कृपा से इस वर्ष साहूकारपेट स्थित तेरापंथ भवन में उनका चातुर्मास प्रस्तावित है। चातुर्मास काल में विभिन्न कार्यक्रमों एवं गतिविधियों के माध्यम से अणुव्रत के प्रचार-प्रसार को और अधिक गति देने का प्रयास किया जाएगा। इस अवसर पर समिति के उपाध्यक्ष स्वयं चन्द्र दौती, मंत्री कुशल बाँडिया, दिलीप भंसाली सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। प्रतिनिधिमंडल ने मुनिश्री के विहार के दौरान कुछ समय सेवा का भी सौभाग्य प्राप्त किया।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com